संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-23 अंक- 09
पृष्ठ 8
गुरूवार
24 सितम्बर 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- क्या आप भी खाते हो अखबार...

विचार- खानपान पर राजनीति

खेल- पहला वनडेः इंग्लैंड ने श्रीलंका...

भारत टैक्सी और मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना का शुभारंभ करने के बाद संबोधित कर, योगी बोले-

भारत टैक्सी जीरो कमीशन पर चलेगी

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत टैक्सी जीरो कमीशन पर चलेगी और इससे जुड़ने वाले चालकों को 5 लाख रुपए की सामाजिक सुरक्षा दी जाएगी। भारत टैक्सी के साथ टैक्सी के अलावा टू-व्हीलर और थ्री-व्हीलर चालक भी जुड़ सकेंगे। वहीं मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना के तहत एलडीबी से किसानों को मिलने वाले दीर्घकालिक ऋण की ब्याज दर 11 प्रतिशत से घटाकर 6 प्रतिशत कर दी गई है। मुख्यमंत्री योगी बुधवार को लखनऊ में केंद्रीय सहकारिता एवं नागर विमानन राज्यमंत्री मुरलीधर मोहोल के साथ भारत टैक्सी और मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना का शुभारंभ करने के बाद संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बटन दबाकर मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि पोर्टल ऐप, उर्वरक के लिए मोबाइल ऐप और कोऑपरेटिव डाटा सेंटर

की भी शुरुआत की। मुख्यमंत्री ने कहा कि सहकारिता की कमान किन हाथों में है, उसी पर उसकी सफलता निर्भर करती है। अच्छा नेतृत्व सहकारिता को समृद्धि का माध्यम बनाता है, जबकि गलत नेतृत्व इसे अराजकता की ओर ले जाता है। आजादी के बाद पहली बार देश में अलग सहकारिता मंत्रालय बना और अब इसके परिणाम सामने आ रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि टैक्सी, टू-व्हीलर और थ्री-व्हीलर चालकों के बारे में पहले कोई नहीं सोचता था। अब वे रजिस्ट्रेशन के साथ जीरो कमीशन पर भारत टैक्सी का हिस्सा बनेंगे और पांच लाख रुपये की सामाजिक सुरक्षा पाएंगे। सामाजिक सुरक्षा मिलने से चालक निश्चिंत होकर जिम्मेदारी के साथ अपना काम कर सकेगा। उन्होंने कहा कि भारत टैक्सी केवल यात्रियों को ढोने वाली टैक्सी नहीं है। यह पूरे भारत की टैक्सी है, जो भारत की गति को प्रगति में बदलने का काम करेगी। लखनऊ, गोरखपुर, वाराणसी और प्रयागराज में इसका संचालन शुरू किया गया है। लखनऊ एयरपोर्ट, लखनऊ मेट्रो और लखनऊ पुलिस समेत विभिन्न संस्थाओं के साथ एमओयू भी हुए हैं। मुख्यमंत्री ने प्रयागराज महाकुंभ 2025 का जिक्र करते हुए कहा कि वहां लाखों नौजवान रैपिडो के माध्यम से अपनी बाइक पर श्रद्धालुओं को सुरक्षित संगम तक पहुंचा रहे थे। इससे यातायात बाधित नहीं हुआ और लोगों को आवागमन की सुविधा मिली। उन्होंने परिवहन मंत्री से ग्रामीण बस सेवा को भी भारत टैक्सी की तर्ज पर आगे बढ़ाने को कहा। इससे लाखों युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना पर योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश सहकारी ग्राम्य विकास बैंक से किसानों को 11 प्रतिशत ब्याज पर ऋण मिलता था। इसे अब घटाकर 6 प्रतिशत कर दिया गया है। खेती-बाड़ी और मशीनरी के लिए दीर्घकालिक ऋण की व्यवस्था की गई है। आगामी कुछ वर्षों में 5 लाख लघु और सीमांत किसानों को इसका लाभ देने का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि 2017 में सरकार बनने के बाद 86 लाख लघु और सीमांत किसानों के 36 हजार करोड़ रुपए से अधिक के ऋण माफ किए गए। साढ़े 9 वर्षों में 24 लाख हेक्टेयर भूमि को अतिरिक्त सिंचाई सुविधा से जोड़ा गया। 16 लाख से अधिक निजी ट्यूबवेल वाले किसानों को मुफ्त बिजली और नहर व सरकारी ट्यूबवेल से मुफ्त सिंचाई दी जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में 122 चीनी मिलें चल रही हैं। इनमें 100 से अधिक मिलें चौथे दिन गन्ना मूल्य का भुगतान कर रही हैं।

आयुष्मान भारत के आठ सालः पीएम मोदी बोले-

गरीबों के लिए वरदान

मुंबई,एजेंसी। आयुष्मान भारत योजना के बुधवार को आठ साल पूरे हो गए हैं। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि इससे देश के 60 करोड़ लोगों को 5 लाख रुपए तक की हेल्थ कवरेज मिली है, जो कि इसे दुनिया की सबसे बड़ी हेल्थकेयर स्कीम बनाती हैं। आयुष्मान भारत के सभी लाभार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, आठ साल पहले, आयुष्मान भारत की शुरुआत इस सोच के साथ की गई थी कि हर भारतीय को बेहतरीन और किफायती हेल्थकेयर मिल सके। आज, 60 करोड़ से ज्यादा लाभार्थियों को सालाना 5 लाख रुपए का हेल्थ कवर मिल रहा है, जिससे यह दुनिया की सबसे बड़ी हेल्थकेयर स्कीम बन गई है। उन्होंने आगे कहा कि इसने इलाज के खर्च में रिकॉर्ड बचत मुमकिन बनाई है, जिससे गरीबों और मध्यम

वर्ग को फायदा हुआ है। हेल्थकेयर हर घर के करीब पहुंच रही है। आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में अब तक 500 करोड़ से ज्यादा विजिट दर्ज की जा चुकी हैं, जिससे जमीनी स्तर पर प्राइमरी हेल्थकेयर मजबूत हुई है। वहीं, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 8 साल पहले 'सेवा का संकल्प' लिया था, जिसने लाखों लोगों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच को बदल दिया है। आज आयुष्मान भारत पीएम-जेएवाई जो दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य बीमा योजना है। देश भर में आधा अरब से ज्यादा लोगों को कवर करती है। 60 करोड़ से ज्यादा लोगों को कवर करने, 48.54 करोड़ से ज्यादा आयुष्मान कार्ड बनाने और 13 करोड़ से ज्यादा लोगों के इलाज का लाभ उठाने के साथ, यह योजना पूरे भारत में परिवारों के लिए अच्छी क्वालिटी की हेल्थकेयर और आर्थिक सुरक्षा के वादे को हकीकत में बदल रही है। देश भर में 39,000 से ज्यादा सूचीबद्ध सरकारी और प्राइवेट अस्पतालों के जरिए 2 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का हॉस्पिटलाइजेशन और इलाज का लाभ उठाया गया है।

बुलेट ट्रेन सेवा अगस्त 2027 में शुरू होने की उम्मीद

नयी दिल्ली। भारत की पहली बुलेट ट्रेन का इंतजार अब अंतिम चरण में पहुंचता दिख रहा है। मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर पर तेजी से निर्माण कार्य चल रहा है और सरकार के मुताबिक पहली हाई-स्पीड रेल सेवा अगस्त 2027 में शुरू होने की उम्मीद है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव भी 2027 में बुलेट ट्रेन सेवा शुरू होने की बात कह चुके हैं। हालांकि, शुरुआती परिचालन पूरे मुंबई-अहमदाबाद रूट पर एक साथ नहीं होगा। पहले चरण में सूरत-वापी सेक्शन को चालू करने की योजना है। मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर की कुल लंबाई करीब 508 किलोमीटर है। इसकी डिजाइन स्पीड 350 किलोमीटर प्रति घंटा रखी गई है, जबकि परिचालन गति 320 किलोमीटर प्रति घंटा होगी। सरकारी जानकारी के अनुसार, इस कॉरिडोर पर आधुनिक रोलिंग स्टॉक, सिग्नलिंग और ट्रेन कंट्रोल सिस्टम का इस्तेमाल किया जाएगा। पूरे कॉरिडोर पर मुंबई और अहमदाबाद के बीच यात्रा का समय करीब 1 घंटे 58 मिनट रहने का अनुमान है। इसका मतलब है कि हाई-स्पीड रेल सेवा शुरू होने के बाद दोनों शहरों के बीच यात्रा में मौजूदा समय की तुलना में बड़ा अंतर आ सकता है। बुलेट ट्रेन परियोजना को चरणों में शुरू किया जा रहा है। सरकार की जुलाई 2026 की जानकारी के अनुसार, 2027 में सबसे पहले सूरत-बिलिमोरा सेक्शन से सेवा शुरू करने की बात कही गई थी और इसके बाद सेवा को वापी, अहमदाबाद और अंततः मुंबई तक बढ़ाने की योजना बताई गई थी। वहीं बाद की सरकारी फैक्टशीट में शुरुआती हाई-स्पीड रेल सेवा के लिए सूरत-वापी सेक्शन का उल्लेख किया गया है। इसलिए शुरुआती सेक्शन को लेकर आधिकारिक दस्तावेजों में चरणवार विवरण अलग-अलग समय पर सामने आया है।

जमुई छात्रा बदसलूकी मामले को लेकर पटना में राजद महिला विंग का प्रदर्शन, मुख्यमंत्री से इस्तीफा मांगा

पटना। बिहार के जमुई में छात्रा के साथ हुई कथित बदसलूकी और छेड़छाड़ की घटना को लेकर राज्य की सियासत गरमा गई है। घटना के विरोध में बुधवार को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की महिला कार्यकर्ताओं ने राजधानी पटना में प्रदर्शन किया और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। राजद महिला प्रकोष्ठ की ओर से पार्टी कार्यालय से आयकर गोलंबर तक विरोध मार्च निकाला गया। प्रदर्शन के दौरान मुख्यमंत्री का पुतला भी फूंका गया। राजद महिला कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि राज्य में महिलाएं और बेटियां सुरक्षित नहीं हैं तथा सरकार कानून-व्यवस्था और महिला सुरक्षा के मोर्चे पर विफल रही है। प्रदर्शनकारियों ने जमुई मामले में आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग करते हुए मामले का स्पीडी ट्रायल कराने की मांग की। विरोध मार्च के दौरान राजद नेताओं और कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि जमुई की घटना ने महिलाओं की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि घर से लेकर स्कूल तक बेटियां सुरक्षित नहीं हैं और सरकार महिलाओं को सुरक्षा देने में नाकाम साबित हो रही है। प्रदर्शन के दौरान राजद की महिला कार्यकर्ताओं ने जमुई मामले में आरोपी के खिलाफ बेहद कड़ी कार्रवाई की मांग करते हुए श्हाफ नहीं, फुल एनकाउंटर की बात कही।

संविधान के तहत मिली जिम्मेदारियों को निष्ठा के साथ निभाने के लिए प्रतिबद्ध : चुनाव आयोग

नयी दिल्ली,एजेंसी। चुनाव आयोग ने कहा कि वह संविधान के तहत मिली जिम्मेदारियों को पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ निभाने के लिए प्रतिबद्ध है। चुनाव आयोग के अंदर दो चुनाव आयुक्तों की असहमतियों के बीच उपजे विवाद पर चुनाव आयोग ने सफाई दी है और कहा है कि आयोग के अंदर सभी फैसले सर्वसम्मति से हो रहे हैं। वैचारिक मतभेद का मतलब टकराव नहीं समझा जाना चाहिए। किसी भी संस्था में विचार-विमर्श के दौरान अलग-अलग राय और टिप्पणियां होना सामान्य बात है। ये अंतिम फैसला लेने से पहले निर्णय लेने की प्रक्रिया का हिस्सा होते हैं। न केवल तीनों आयुक्तों, बल्कि आयोग का हर अधिकारी चुनावी व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए आयोग को अपने सुझाव देने के लिए पूरी तरह से अधिकृत है। आयोग ने बयान में कहा कि दस महीनों के दौरान की कुछ खास आंतरिक टिप्पणियों/अवलोकनों को उजागर करना, जबकि बड़ी संख्या में मंजूरियों, फैसलों, निर्देशों और पहलों को नजरअंदाज करना, तस्वीर का केवल एक हिस्सा ही दिखाता है। हाल के महीनों में आयोग ने कई फैसले लेने के साथ ही निर्देश जारी किये हैं तथा लगभग 40 नयी पहलें शुरू की हैं और देश भर में मतदाता सूची संशोधन के संचालन सहित कई चुनावी सुधार किये हैं। ये सभी फैसले पिछले एक साल में पूरे आयोग के सर्वसम्मत फैसलों के परिणाम हैं। आयोग के मुताबिक ईसीआईनेट जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म सख्त डेटा सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत काम करते हैं। इनमें अनधिकृत छेड़छाड़ या डेटा में बदलाव रोकने के लिए आईटी सुरक्षा जांच और ऑडिट नियंत्रण लागू हैं। आयोग ने कहा कि मतदाता सूची में नाम जोड़ने या हटाने का काम निर्वाचक पंजीकरण अधिकारियों और जिला निर्वाचन अधिकारियों जैसे वैधानिक अधिकारी कानून के तहत अपने निर्धारित अधिकारों के अनुसार करते हैं। यानी आयोग के अनुसार यह अधिकार तय कानूनी प्रक्रिया के तहत इस्तेमाल किये जाते हैं। आयोग के मुताबिक किसी फैसले को अंतिम रूप देने से पहले सदस्यों के बीच चर्चा होती है और इस दौरान अलग-अलग राय, सुझाव या प्रशासनिक सवाल उठना सामान्य प्रक्रिया है। इनका उद्देश्य चुनावी व्यवस्था को मजबूत करना और मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा करना है।

प्रयागराज के साहित्यकारों द्वारा श्रद्धांजलि सभा आयोजित

प्रयागराज। शहर की रचनाकार रचना सक्सेना के पिता सूरज प्रसाद सक्सेना(पूर्व प्रधानाचार्य, गाँधी इण्टर कालेज, बहराइच) ने दिनांक 23सितम्बर को दोपहर 12.15 बजे, सांसारिक मोह-बन्धन से स्वयं को मुक्त कर, गोलोक को प्रस्थान कर गए। उनके पार्थिव शरीर का अन्तिम संस्कार सायं 4.30 पर त्रिमुहानी घाट (बहराइच) पर संपन्न हुआ।

डॉ० प्रदीप चित्रांशी की अध्यक्षता में शहर समता विचार मंच एवं दैनिक समाचार-पत्र शहर समता के कार्यालय में दिवंगत आत्मा की शान्ति हेतु दो मिनट मौन रखकर शोकसभा आयोजित की गई। शोक सभा में उमेश श्रीवास्तव, प्रो० रवि मिश्रा, रंजन पाण्डेय,केशब सक्सेना के अलावा भी कई कवि एवं गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

झारखंड : करमा पूजा की खुशियां मातम में बदलीं, कोयल नदी में डूबने से चार युवकों की मौत, पांचवां लापता

पलामू झारखंड के पलामू जिले में करमा पूजा का पर्व मातम में बदल गया। चौनपुर थाना क्षेत्र के बोकेया पतरिया गांव में पूजा सामग्री विसर्जन के दौरान कोयल नदी में पांच लड़के डूब गए। इस दर्दनाक हादसे में चार लड़कों की मौत हो गई जबकि एक लड़का अभी भी लापता है, जिसकी तलाश जारी है। जानकारी के अनुसार, बुधवार सुबह बोकेया पतरिया गांव के पांच लड़के करमा पूजा की सामग्री लेकर कोयल नदी में विसर्जन करने गए थे। नदी के किनारे से थोड़ा आगे बढ़ते ही वे अचानक गहरे पानी और तेज बहाव की चपेट में आ गए। पानी का बहाव इतना तेज था कि पांचों खुद को संभाल नहीं पाए और देखते ही देखते डूब गए। आसपास मौजूद लोगों ने जब लड़कों को डूबते देखा तो शोर मचाया लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। स्थानीय लोगों और गोताखोरों की मदद से चार लड़कों के शवों को नदी से बाहर निकाला गया।

धन ही सब कुछ नहीं : राष्ट्रपति मुर्मू

छात्रों को सेवा का बताया महत्व, कहा- देश और समाज के हित को रखें ऊपर

वडोदरा,एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को छात्रों से कहा कि वे अपने काम के क्षेत्र में देश और समाज के हितों को सबसे ऊपर रखें। ऐसा करने से देश और समाज के साथ-साथ उनकी भी तरक्की होगी। राष्ट्रपति महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, बड़ौदा के 75वें दीक्षांत समारोह में छात्रों को संबोधित कर रही थीं। इस दौरान उन्होंने कहा कि शिक्षा तभी सही मायने में सार्थक होगी, जब इससे देश और समाज को लाभ होगा। उन्होंने कहा कि छात्रों को अपनी शिक्षा का इस्तेमाल सिर्फ अपने और अपने परिवार के लिए करने से आगे बढ़कर सोचना चाहिए। यह विचार करना चाहिए कि वे समाज के बड़े हित में कैसे योगदान दे सकते हैं। उन्होंने आगे कहा, अगर छात्र अपने काम के क्षेत्र में देश और समाज के हितों को सबसे ऊपर रखते हैं, तो देश और समाज के साथ-साथ उनकी भी तरक्की होगी। उन्होंने कहा कि ऐसी तरक्की से उन्हें बहुत संतुष्टि मिलेगी। उन्हें अपनी शिक्षा की सार्थकता का एहसास होगा। अगर आप इंजीनियर बन रहे हैं, तो ऐसी तकनीकें विकसित करें जिनसे लोगों का जीवन बेहतर हो। अगर आप डॉक्टर बन रहे हैं, तो चिकित्सा को सिर्फ एक पेशा न समझें। इसे एक सेवा मानें।श उन्होंने कहा, सेवा में ही मानवता और शांति निहित है। इससे संतुष्टि मिलती है। जीवन जीने के लिए संसाधनों की जरूरत तो होती है, लेकिन धन ही सब कुछ नहीं है। दूसरों की सेवा करने से ही सच्ची संतुष्टि मिलती है।

इलाहाबाद विवि की कुलपति प्रो. संगीता श्रीवास्तव का कार्यकाल पांच साल के लिए बढ़ा, आदेश जारी

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के कुलपति पद को लेकर तस्वीर साफ हो गई है। राष्ट्रपति ने कुलाधिपति के रूप में प्रो. संगीता श्रीवास्तव को दूसरे कार्यकाल के लिए कुलपति नियुक्त किया है। उनका नया कार्यकाल 16 सितंबर 2026 से

प्रभावी माना जाएगा और यह पांच वर्ष या 70 वर्ष की आयु पूरी होने तक रहेगा।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर संगीता श्रीवास्तव का कार्यकाल पांच साल के लिए बढ़ा दिया गया है। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की ओर से इस संबंध में आदेश जारी कर दिया गया है। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग ने इलाहाबाद विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. संगीता श्रीवास्तव की पुनर्नियुक्ति का आदेश जारी किया है। आदेश में कहा गया है कि उनका दूसरा कार्यकाल 16 सितंबर 2026 से प्रभावी होगा। यह कार्यकाल पांच वर्ष या 70 वर्ष की आयु पूरी होने तक, जो भी पहले हो, प्रभावी रहेगा। शिक्षा मंत्रालय के अवर सचिव राजेश कुमार की ओर से 22 सितंबर 2026 को जारी आदेश में कहा गया है कि कुलपति के रूप में प्रो. संगीता श्रीवास्तव की सेवा की शर्तें इलाहाबाद विश्वविद्यालय के अधिनियम, परिनियम और अध्यादेश आदि में निर्धारित प्रावधानों के अनुसार होंगी।

कथित नकली लॉ डिग्री मामले में वकील को अग्रिम जमानत, सिविल लाइंस थाने में दर्ज है प्राथमिकी

प्रयागराज। मामला सिविल लाइंस थाने में दर्ज धोखाधड़ी और जालसाजी के अपराधों से संबंधित है। आवेदक की लॉ डिग्री प्रैक्टिस सर्टिफिकेट के नवीनीकरण के दौरान सत्यापन के लिए

विश्वविद्यालय भेजी गई थी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कथित नकली लॉ डिग्री के मामले में अधिवक्ता गौरव ब्रजवासी को अग्रिम जमानत दे दी है। न्यायमूर्ति राजीव लोचन शुक्ला की अदालत ने कहा कि केवल विश्वविद्यालय से डिग्री का बिना सत्यापन के वापस आ जाना, शुरुआती स्तर पर यह निष्कर्ष निकालने के लिए पर्याप्त नहीं है कि दस्तावेज जाली है।

मामला सिविल लाइंस थाने में दर्ज धोखाधड़ी और जालसाजी के अपराधों से संबंधित है। आवेदक की लॉ डिग्री प्रैक्टिस सर्टिफिकेट के नवीनीकरण के दौरान सत्यापन के लिए विश्वविद्यालय भेजी गई थी। उत्तर प्रदेश बार कौंसिल के अनुसार, डिग्री बिना सत्यापन के वापस आ गई। इसके बाद हाईकोर्ट के पूर्व निर्देशों के तहत एफआईआर दर्ज की गई। याची ने इसे हाईकोर्ट में चुनौती दी। अदालत ने कहा कि संबंधित विश्वविद्यालय की ओर से अब तक कोई स्पष्ट जवाब नहीं मिला है कि डिग्री जाली थी अथवा सत्यापन क्यों नहीं हो सका। जांच जारी है और कथित अपराध दस्तावेजी साक्ष्यों पर आधारित है। इसलिए हिरासत में पूछताछ की आवश्यकता नहीं दिखती।

आवेदक का कोई आपराधिक इतिहास भी नहीं है। कोर्ट ने पुलिस रिपोर्ट दाखिल होने तक अग्रिम जमानत मंजूर करते हुए जांच में सहयोग करने और गवाहों को प्रभावित नहीं करने समेत अन्य शर्तों का पालन करने का निर्देश दिया।

घर में फंदे से लटका मिला हेड कांस्टेबल का शव, में थे तैनात, एक महीने पहले आए थे छुट्टी पर

प्रयागराज। थरवई के जैतवारडीह गांव निवासी हेड कांस्टेबल बलराम पाल (51) का सोमवार रात कमरे में फंदे से लटका शव मिला। परिजनों ने सुबह शव देखा तो पुलिस को सूचना दी।

थरवई के जैतवारडीह गांव निवासी हेड कांस्टेबल बलराम पाल (51) का सोमवार रात कमरे में फंदे से लटका शव मिला। परिजनों ने सुबह शव देखा तो पुलिस को सूचना दी।

बलराम पाल फतेहपुर खागा में 112 नंबर में हेड कांस्टेबल के पद पर तैनात थे। वह करीब एक महीने पहले छुट्टी पर घर आए थे। सोमवार शाम को वह ड्यूटी के लिए निकले थे, लेकिन रात 11 बजे घर लौट आए। सुबह परिजनों ने कमरे में उनका शव लटका मिला। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर फॉरेंसिक टीम को बुलाया। टीम की जांच के बाद शव को नीचे उतारा गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

बलराम पाल दो भाई और एक बहन में सबसे बड़े थे। उनके दो बेटे और एक बेटी है। पत्नी पुष्पा पाल का रो–रो कर हाल बेहाल है। पोस्टमार्टम के बाद शाम को रसूलाबाद घाट पर सलामी के बाद उनका अंतिम संस्कार किया गया। थाना प्रभारी थरवई ओम प्रकाश सिंह ने बताया कि मौत का कारण स्पष्ट नहीं हो पा रहा है।

टीजीटी–पीजीटी अभ्यर्थियों का अनशन खत्म, डीएम ने पिलाया जूस, सीएम योगी के आश्वासन पर माने छात्र

प्रयागराज। सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालय और इंटर कॉलेजों में शिक्षक भर्ती के लिए जारी नई नियमावली के विरोध में जारी प्रतियोगी छात्रों का अनशन समाप्त हो गया है। जिलाधिकारी मनीष वर्मा ने जूस पिलाकर बुधवार को अनशन खत्म करा दिया। पुलिस कमिश्नर दीपक मोर्डिया भी मौजूद रहे।

टीजीटी–पीजीटी परीक्षा पुरानी नियमावली से कराने की मांग को लेकर प्रतियोगी छात्रों का धरना 18 दिनों से चल रहा है। इसमें चार छात्र पांच सितंबर से आमरण अनशन पर बैठे हैं। मंगलवार को सीएम योगी ने प्रतियोगी छात्रों की मांगों को पूरा करने के लिए शिक्षा मंत्रालय को निर्देश दिया है कि वह एनसीईआरटी को पत्र लिखे। इस आश्वासन के बाद बुधवार को शिक्षा निदेशालय पहुंचे जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने अनशन पर बैठे आजमगढ़ के रोशन सरोज, बुलंदशहर के प्रवीण कुमार, आजमगढ़ की शिमला पटेल व प्रतापगढ़ की मीना देवी को जूस पिलाकर उनका अनशन खत्म कराया।

प्रतियोगी छात्रों के पक्ष में सीएम, शिक्षा मंत्री से बोले–एनसीटीई को लिखें पत्र

शिक्षा निदेशालय में प्रतियोगी छात्रों के आंदोलन का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संज्ञान लिया। लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने मंगलवार को कहा था कि प्रयागराज में कुछ युवा धरने पर बैठे हैं। शिक्षा मंत्री से हमने कहा है कि इसके लिए एनसीटीई (राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद) को पत्र लिखें और छात्रों के हित में निर्णय लें। ऐसी व्यवस्था बना दें ताकि एक समय के बाद छात्र उसमें शामिल हो सकें। जड़ता की शिकार व्यवस्था नौजवानों के हौसलों को रोकने का काम करती है।

धरने पर बैठे प्रतियोगी छात्रों के बीच मुख्यमंत्री का यह बयान वायरल होता रहा। छात्रों ने साफ किया कि लिखित में इसके लिए जब तक कोई आदेश नहीं जारी हो जाता है तब वह आंदोलन नहीं खत्म करेंगे। टीजीटी–पीजीटी भर्ती प्रक्रिया पुरानी नियमावली से कराए जाने की मांग को लेकर सोमवार से आंदोलित छात्र धरनास्थल से शिक्षा निदेशालय पहुंच गए थे और अनशन वहीं पर जारी कर दिया। रात में भी बड़ी संख्या में छात्र निदेशालय कैंपस में डटे रहे।

मंगलवार से बढ़ने लगी थी संख्या

मंगलवार को सुबह से छात्रों की संख्या फिर बढ़ने लगी। इसके बाद पुलिस फोर्स के साथ पुलिस के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे थे। पुलिस ने मेन गेट पर बैरिकेडिंग करते हुए गेट को भी बंद कर दिया खा। अगुवाई कर रहे आशुतोष पांडेय समेत तमाम छात्र निदेशालय में उस स्थान पर जाना चाहते थे जहां पर पहले से ही छात्र धरने पर बैठे थे। पुलिस उन्हें अंदर जाने से रोकने का प्रयास की तो तीखी नोकझोंक भी हुई। अंत में गेट पर ही छात्र बैठ गए और नारेबाजी करने लगे।

निदेशालय में नहीं हुआ काम, निराश लौटे लोग

शिक्षा निदेशालय में प्रदेश भर से शिक्षक व शिक्षा विभाग के अधिकारी व कर्मचारी पहुंचते हैं। छात्रों के आंदोलन के चलते सुबह से ही पुलिस ने यहां बैरिकेडिंग कर दिए थे। सड़क से लेकर निदेशालय परिसर में सिर्फ पुलिस फोर्स व छात्र–छात्राएं ही मौजूद रहे। निदेशालय के लगभग सभी कार्यालयों में मंगलवार को दिन भर ताला लटकता रहा। दूसरे जनपदों से आने वाले लोग भी निराश होकर लौट गए।

सपा सांसद को डीसीपी ने रोका

मंगलवार को देर शाम कौशाम्बी से सपा सांसद पुष्पेंद्र सरोज शिक्षा निदेशालय पहुंचे थे। वह प्रतियोगी छात्रों के बीच में जाना चाहते थे लेकिन डीसीपी सिटी सागर जैन ने उन्हें अंदर जाने से रोक दिया। उन्होंने सांसद का हाथ पकड़कर बाहर जाने को कहा तो सांसद बिफर गए। उन्होंने कहा, वह छात्रों की बात सुनने आए हैं, एक जनप्रतिनिधि को लोगों से मिलने के लिए रोका जा रहा है। बाद में गेट के बाहर ही धरने पर बैठे छात्रों से उन्होंने वार्ता की। उन्होंने कहा, मैं आपके मांगों के समर्थन में हूं। जंतर–मंतर पर भी गया था और आपके लिए खड़ा हूं।

अनशनकारियों का बिगड़ रहा स्वास्थ्य

पांच सितंबर से चार प्रतियोगी छात्रों ने अनशन शुरू किया था। इसमें आजमगढ़ के रोशन सरोज, बुलंदशहर के प्रवीण कुमार, आजमगढ़ की शिमला पटेल व प्रतापगढ़ की मीना देवी शामिल हैं। आंदोलन के बीच यह चारों लगातार लेटे हुए हैं। खाना छोड़ने की वजह से स्वास्थ्य बिगड़ गया था। वह सिर्फ पानी और नींबू पानी पीकर यह अनशन जारी रखे हुए थे। 15 सितंबर को तबीयत बिगड़ने पर चारों को तेज बहादुर सप्रू अस्पताल भी भर्ती कराया गया था, लेकिन बाद में यह फिर अनशन जारी रखते हुए धरने में शामिल हो गए थे।

हाईकोर्ट : एफआईआर या लंबित आपराधिक केस के आधार पर नौकरी से बर्खास्तगी गैर-कानूनी

प्रयागराज। केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण (कैट) इलाहाबाद पीठ ने कहा कि केवल एफआईआर या आपराधिक मामला लंबित होने या चार्जशीट दाखिल होने मात्र से किसी कर्मचारी को अयोग्य मानकर नौकरी से नहीं निकाला जा सकता।

केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण (कैट) इलाहाबाद पीठ ने कहा कि केवल एफआईआर या आपराधिक मामला लंबित होने या चार्जशीट दाखिल होने मात्र से किसी कर्मचारी को अयोग्य मानकर नौकरी से नहीं निकाला जा सकता। यह टिप्पणी करते हुए कैट ने डाक विभाग की ओर से डाक सेवक की सेवा समाप्ति के आदेश को निरस्त करते हुए उसे तत्काल सेवा में बहाल करने का निर्देश दिया है।

यह आदेश कैट के सदस्य (न्यायिक) न्यायमूर्ति ओम प्रकाश षष्टम ने दिया है। बुलंदशहर निवासी अर्पित बरगोती को उत्तराखंड के डाकघर अल्मोड़ा मंडल के डांगोली एसओ में

ग्रामीण डाक सेवक के पद पर 23 दिसंबर 2024 को उसे अस्थायी रूप से नियुक्त किया गया था। उन्होंने 24 दिसंबर 2024 को कार्यभार ग्रहण कर लिया था। मई 2025 में प्राप्त पुलिस सत्यापन रिपोर्ट में उल्लेख किया गया कि आवेदक के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत तीन आपराधिक मामले दर्ज हैं और अदालत में चार्जशीट दाखिल की जा चुकी है।

इस रिपोर्ट पर डाक विभाग ने नौ अक्तूबर 2025 को ज्ञापन जारी कर उनकी सेवाएं समाप्त कर दीं। कर्मचारी ने इसे कैट में चुनौती दी। कर्मचारी के अधिवक्ता ने दलील दिया कि आवेदक ने कोई तथ्य नहीं छुपाया है। किसी भी मामले में उन्हें दोषी नहीं ठहराया गया है। सुप्रीम कोर्ट के अवतार सिंह बनाम भारत संघ (2016) व पवन कुमार बनाम भारत संघ (2020) के निर्णयों के अनुसार केवल केस लंबित होने पर नियोक्ता को अपराध की प्रकृति और पद की गंभीरता पर स्वतंत्र रूप से विचार करना चाहिए।

वहीं, डाक विभाग के अधिवक्ता ने दलील दी कि पुलिस रिपोर्ट असंतोषजनक पाए जाने पर ही सक्षम प्राधिकारी ने यह कार्रवाई की थी। कैट ने पक्षों को सुनने के बाद पाया कि याची कर्मचारी के खिलाफ किसी भी अदालत की ओर से दोषसिद्धि नहीं हुई है। इस आधार पर कैट ने सेवा समाप्ति आदेश को रद्द करते हुए आवेदक को पद पर बहाल करने का आदेश दिया।

कृषक समृद्धि योजना और भारत टैक्सी सेवा शुरू

छह लाख तक ऋण, पांच साल में पांच लाख किसानों को लाभ

मथुरा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को लखनऊ से मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना और भारत टैक्सी सेवा का शुभारंभ किया। कलेक्ट्रेट सभागार में कार्यक्रम का सजीव प्रसारण किया गया। जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष निरंजन सिंह धनगर

ने बताया कि योजना के तहत लघु एवं सीमांत किसानों को छह लाख रुपये तक का दीर्घकालीन ऋण छह प्रतिशत प्रभावी ब्याज दर पर मिलेगा। समय से किस्त जमा करने वाले पात्र किसानों को ब्याज अनुदान का लाभ भी मिलेगा। योजना के लिए 384 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं और पांच वर्षों में पांच लाख किसानों को लाभ देने का लक्ष्य है।

विधायक मांट राजेश चौधरी ने किसानों से योजनाओं का लाभ उठाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कृषि और सहकारिता क्षेत्र को मजबूत करने से देश की प्रगति होगी। इस अवसर पर भारत टैक्सी सेवा भी शुरू की गई। सहकारी व्यवस्था पर आधारित इस सेवा से चालक सदस्य के रूप में जुड़ेंगे। इसका उद्देश्य यात्रियों को सुरक्षित एवं किफायती परिवहन सुविधा देने के साथ चालकों को रोजगार और स्वरोजगार उपलब्ध कराना है। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष निर्भय पांडेय, सहकारिता विभाग के अधिकारी, सहकारी समितियों के पदाधिकारी और किसान मौजूद रहे।

हाईकोर्ट बार एसोसिएशन: अध्यक्ष पद पर सीपी उपाध्याय व महासचिव पर रायसाहब यादव आगे

प्रयागराज। मतपत्रों को छंटनी के बाद इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन चुनाव की मतगणना बुधवार को लाइब्रेरी हॉल में जारी रही। अध्यक्ष व महासचिव पद पर शाम पांच बजे तक 2991 मतपत्रों की गिनती पूरी कर ली गई। अध्यक्ष पद सीपी उपाध्याय और महासचिव पद पर संतोष मिश्रा बढ़ बनाए हुए हैं। मतपत्रों को छंटनी के बाद इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन चुनाव की मतगणना बुधवार को दूसरे दिन भी लाइब्रेरी हॉल में जारी रही। अध्यक्ष व महासचिव पद पर शाम पांच बजे तक 2991 मतपत्रों की गिनती पूरी कर ली गई। अध्यक्ष पद पर सीपी उपाध्याय और महासचिव पद पर संतोष कुमार मिश्रा आगे रहे।

मतों की गणना के अनुसार अध्यक्ष पद पर चंद्र प्रकाश उपाध्याय 704 मतों के साथ सबसे आगे हैं। उनके बाद प्रकाश चंद्र श्रीवास्तव को 673 और राधाकांत ओझा को 661 मत मिले हैं। वहीं मानद सचिव पद पर संतोष कुमार मिश्रा 956 मतों के साथ आगे हैं, जबकि राय साहब यादव को 903 मत मिले हैं।

अध्यक्ष पद पर मिले मत

चंद्र प्रकाश उपाध्याय (डॉ. सीपी उपाध्याय) 704, प्रकाश चंद्र श्रीवास्तव (पीसी श्रीवास्तव) 673, राधाकांत ओझा (आरके ओझा) 661, अशोक कुमार सिंह 551, अनिल श्रीवास्तव 186, प्रभा शंकर मिश्रा कृ 153, हरबंश सिंह 35, देवी प्रसाद सिंह11।

महासचिव पद पर मिले मत

महासचिव पद पर संतोष कुमार मिश्रा 956, राय साहब यादव 903, धर्मेंद्र प्रताप सिंह 229, शशि प्रकाश सिंह 272, अभिषेक तिवारी 140, उदय शंकर तिवारी 99, नन्हेलाल त्रिपाठी 86, आनंद मोहन पांडेय 74, हरिंद्र प्रसाद 53, धर्मेंद्र कुमार शुक्ला 44, बृजेंद्र कुमार पांडेय 40, कुमार अनीश 36, देवेंद्र कुमार तिवारी 33, राजेश सिंह 10 पा चुके हैं।

गारापुर के दो धामों का चार करोड़ से होगा सुंदरीकरण

प्रयागराज। पुरुषोत्तमपुर उर्फ गारापुर गांव में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए करीब चार करोड़ रुपये की लागत से माता चौरा धाम और संसारी माता धाम का सुंदरीकरण कराया जाएगा। ग्राम प्रधान द्वारिका मौर्य ने बताया कि उनके प्रार्थना पत्र पर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के प्रस्ताव पर गारापुर स्थित संसारी माता धाम में दो करोड़ रुपये की लागत से विकास कार्य कराए जाएंगे। वहीं, फूलपुर सांसद प्रवीण पटेल के प्रस्ताव पर माता चौरा धाम में एक करोड़ 17 लाख रुपये की लागत से सुंदरीकरण कराया जाएगा। दोनों धामों में बहुउद्देशीय हाल, सुलभ शौचालय, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल, यात्री बेंच और लैंडस्केपिंग समेत विभिन्न कार्य कराए जाएंगे। माता चौरा धाम में दो बड़े स्वागत द्वार, जबकि संसारी माता धाम में एक स्वागत द्वार का निर्माण होगा। इसके अलावा सार्वजनिक शौचालय, हवन कुंड, शत–प्रतिशत इंटरलॉकिंग, पत्थर की कुर्सियां, 25 सोलर लाइट, 45 बाई 15 फीट का डबल स्टोरी हाल, समरसेबल पंप, स्टोर रूम, शौचालय और ग्रीन कॉरिडोर समेत अन्य कार्य प्रस्तावित है। पर्यटन विभाग और निर्माण निगम की टीम ने सोमवार को दोनों स्थलों का दौरा किया। निर्माण निगम के अवर अभियंता अमित सिंह के साथ आर्किटेक्ट की टीम ने प्रस्तावित कार्यों के लिए स्थल का निरीक्षण किया।

पुलिस भर्ती दौड़ और SSC CGL की तिथियां टकराई

एक ही अभ्यर्थी के सामने दो परीक्षाओं में से एक छोड़ने का संकट, युवाओं ने तिथियों में समन्वय की मांग की

मथुरा । यूपी पुलिस भर्ती की दौड़ परीक्षा और कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) की कंबाइंड ग्रेजुएट लेवल (सीजीएल) परीक्षा की तिथियों में टकराव से दोनों परीक्षाओं की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों की चिंता बढ़ गई है। एसएससी सीजीएल परीक्षा 30 सितंबर से 30 अक्टूबर तक प्रस्तावित है, जबकि यूपी पुलिस भर्ती की दौड़ प्रक्रिया 28 सितंबर से चार अक्टूबर तक निर्धारित है।

दोनों भर्तियों के लिए आवेदन करने वाले कई अभ्यर्थियों के सामने अब एक परीक्षा से वंचित होने की स्थिति बन रही है। अभ्यर्थियों का कहना है कि उन्होंने दोनों परीक्षाओं की तैयारी के लिए महीनों मेहनत की है और आवेदन शुल्क भी जमा किया है। ऐसे में तिथियों के टकराव से उनकी मेहनत और परीक्षा का अवसर प्रभावित हो सकता है।

अभ्यर्थियों के अनुसार, कुछ अभ्यर्थियों को 30 सितंबर की सीजीएल परीक्षा तिथि मिली है। इसी अवधि में यूपी पुलिस भर्ती की दौड़ प्रक्रिया भी जारी रहेगी। यदि किसी अभ्यर्थी की दौड़ और सीजीएल परीक्षा एक ही दिन पड़ती है तो उसके सामने किसी एक परीक्षा को छोड़ने के अलावा विकल्प नहीं रहेगा।

अभ्यर्थियों ने मांगा समाधान– परीक्षार्थियों ने शासन और प्रशासन से दोनों परीक्षा एजेंसियों के बीच समन्वय कर तिथियों के टकराव की समस्या दूर करने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि संभव हो तो पुलिस भर्ती की दौड़ प्रक्रिया की तिथि में बदलाव अथवा सीजीएल परीक्षा की तिथियों में आवश्यक समायोजन किया जाए, ताकि दोनों परीक्षाओं के लिए आवेदन करने वाले अभ्यर्थी किसी एक अवसर से वंचित न हों।

हिन्दी पखवाड़ा कार्यक्रम के अन्तर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन

प्रयागराज। राजभाषा विभाग, गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज द्वारा परिसर में हिन्दी पखवाड़ा कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। हिन्दी दिवस 14 सितम्बर 2026 से आरम्भ हिन्दी पखवाड़ा में परिसर के कर्मचारी बढ़–चढ़कर सम्मिलित हो रहे हैं। हिन्दी पखवाड़ा कार्यक्रम के अन्तर्गत संभाषण एवं काव्य पाठ, हिन्दी ज्ञान प्रतियोगिता तथा हिन्दी टंकण प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जहाँ हिन्दी संभाषण एवं काव्य पाठ प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ज्योति, दिवाकर शुक्ल, श्रवण कुमार मिश्र ने हिन्दी भाषा एवं तकनीकी ज्ञान, राजभाषा से राष्ट्रभाषा की ओर, हिन्दी भाषा की समृद्धता विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत किये वहीं अभिषेक कुमार ने कार्यालयी अनुभव पर अपनी स्वरचित कविता का पाठ किया। सोनाली ने काव्यपाठ किया। हिन्दी ज्ञान प्रतियोगिता में प्रतिभागियों के राजभाषा ज्ञान का परीक्षण करने हेतु प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसी क्रम में प्रतिभागियों ने हिन्दी टंकण प्रतियोगिता में भी पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। निदेशक प्रो. रामकृष्ण पाण्डेय "परमहंस" के मार्गदर्शन में परिसर के राजभाषा अधिकारी (प्र.) राजेशकान्त तिवारी ने कार्यक्रम संयोजक डॉ. श्यामसुन्दर पाण्डेय के साथ इन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। परिसर के सह निदेशक प्रो. देवदत्त सरोदे ने प्रतिभागियों को राजभाषा की प्रगति एवं इस हेतु किये जा रहे प्रयासों से अवगत कराया। प्रतियोगिताओं के निर्णायकों में डॉ. राजकुमार मिश्र, सहायकाचार्य, गंगानाथ झा परिसर, डॉ. सुधाकर मिश्र, संगणक वैज्ञानिक, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, श्री भवेश राय, वरिष्ठ अधिवक्ता, उच्च न्यायालय, इलाहाबाद सम्मिलित रहे। प्रतिभागियों में डॉ. विपिन द्विवेदी, अनुराग शर्मा, आरती, रामसिंह, सागर रावत, सन्दीप सिंह, अनुभव कुमार मिश्र, राजीव कुमार समेत अनेकों कर्मचारीगण सम्मिलित रहे।

हिन्दी पखवाड़ा के अंतर्गत विराट कवि सम्मेलन में 'मंगल कलश' का विमोचन

कानपुर। रविवार ,साहित्यिक–सांस्कृतिक संस्था श साहित्य साधना परिषद, कल्याणपुर,कानपुर श के तत्वावधान में हिन्दी पखवाड़ा के अंतर्गत प्रबल पैलेस, नया शिवली रोड, कल्याणपुर में आयोजित विराट कवि सम्मेलन में गीत–ग़ज़लों की स्वर लहरियों के बीच साहित्य साधना परिषद के संस्थापक एवं ओज के सशक्त हस्ताक्षर कविवर महेश मंगल की पाँचवीं काव्य–कृति 'मंगल कलश' का विमोचन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता

हमीरपुर के वरिष्ठ साहित्यकार बद्री प्रसाद द्विवेदी ने की, जबकि संचालन अलवर (राजस्थान) के अभिषेक अमर ने किया। मुख्य अतिथि प्रमोद मिश्रा तथा विशिष्ट अतिथि नवगीतकार जयराम जय रहे। भर्थना निवासी श्री महेश मंगल के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विचार व्यक्त करते हुए अतिथियों ने कहा कि सहृदय व्यक्तित्व के धनी ओज के प्रखर कवि महेश मंगल का नाम कविता के क्षेत्र में चिर–परिचित है। वे कवि सम्मेलनों के लोकप्रिय कवि हैं। उनकी कृति 'मंगल कलश' के मुक्तक साफ–सुथरी भाषा में अपनी परंपरा से जुड़े रहते हुए समय के ज्वलंत प्रश्नों को स्वर देते हैं। मुक्तकों की संवादात्मक भाषा – शैली उन्हें सहज, प्रभावशाली और पठनीय बनाती है।

इस अवसर पर श साहित्य साधना परिषद श के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने मंचस्थ अतिथियों बद्री प्रसाद द्विवेदी, प्रमोद मिश्रा, महेश मंगल,जयराम जय, डॉ. एस. के. श्याम तथा डॉ. राधा शाक्य सहित आमंत्रित सभी कवियों का सम्मान किया।

गीतकार जयराम जय की अध्यक्षता में कार्यक्रम के दूसरे सत्र में आयोजित विराट कवि सम्मेलन में बद्री प्रसाद द्विवेदी, महेश मंगल, जयराम जय, डॉ. एस. के. श्याम, डॉ. राधा शाक्य, अभिषेक अमर, सुभाष शर्मा 'कांटा', अजय 'मदहोश', अशोक 'अचानक' शिखा मिश्रा, अनिता 'अनुश्री', अजय 'शादाब', मुरली परिहार,सुरेश साहनी,अनुज 'मनमीत', गोविंद नारायण शांडिल्य, दिनेश 'नीरज',तरुण कुलश्रेष्ठ तथा संदेश तिवारी ने अपनी रचनाओं का प्रभावशाली काव्यपाठ किया। कार्यक्रम के संयोजक कुमार सूरज ने भी काव्यपाठ किया। इस अवसर पर रघुनाथ सिंह, राजेन्द्र पाल सिंह दिनेश,आचार्य हरीराम यादव, के. पी. सिंह, कलीम अहमद, मनीष शुक्ला,राजबीर सिंह, विजय गुप्ता, प्रवीण कुमार, विजय सिंह, शरद मिश्र, रंजना श्रीवास्तव, अजय कुमार आदि विशेष रूप से उपस्थित रहे। अंत में संस्था की ओर से राम लखन यादव ने सभी आगंतुकों एवं कवियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

जैतपुर गांव में गरजा बुलडोजर, हटाया अतिक्रमण

प्रयागराज। तहसील क्षेत्र के जैतपुर गांव में मंगलवार को प्रशासन ने लोक निर्माण विभाग की जमीन पर हुए अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई की। राजस्व, पुलिस और लोक निर्माण विभाग की संयुक्त टीम ने बुलडोजर का इस्तेमाल किया। टीम ने आराजी संख्या 71 पर किए गए अतिक्रमण को ध्वस्त कर जमीन कब्जामुक्त कराई। एसडीएम फूलपुर हीरालाल सैनी ने इस कार्रवाई की जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि नायब तहसीलदार विनय मिश्र के नेतृत्व में एक टीम जैतपुर पहुंची। इस टीम ने अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू की। राजस्व अभिलेखों के अनुसार, आराजी संख्या 71 लोक निर्माण विभाग के नाम दर्ज है। मौके पर अतिक्रमण पाए जाने के बाद उसे जेसीबी से हटवाया गया। कार्रवाई शुरू होते ही आसपास के कुछ दुकानदारों ने विरोध जताया। इससे कुछ देर के लिए कार्रवाई रुक गई। अधिकारियों और पुलिस ने लोगों को समझाकर सहयोग करने को कहा, जिसके बाद टीम ने अतिक्रमण ध्वस्त कर जमीन खाली करा ली।

भारतीय संस्कृत नाट्यपरम्परा लोकमंगल की द्योतक- कुलपति प्रो. रमाकान्त पाण्डेय

(भारतीय संस्कृत नाट्यपरम्परा पर टिहरी गढ़वाल की संगोष्ठी आयोजित)

चन्द्रबदनी (नेखरी) टिहरी गढ़वाल। उत्तराखण्ड संस्कृत संस्थानम्, हरिद्वार एवं श्रीदेव सुमन उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय परिसर,चन्द्रबदनी (नेखरी) के संयुक्त तत्त्वावधान में संस्कृतमास महोत्सव के अन्तर्गत "भारतीय संस्कृत नाट्यपरम्परा" विषय पर आज दिनांक 22 सितम्बर 2026 को ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में भारतीय संस्कृत नाट्य परम्परा की उद्भव यात्रा,शास्त्रीय आधार, साहित्यिक वैभव, रंगमंचीय स्वरूप,सांस्कृतिक चेतना एवं समकालीन प्रासंगिकता पर विद्वानों द्वारा विस्तृत विचार–विमर्श किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. महन्थ मौर्य प्र.निदेशक,श्रीदेव सुमन उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय परिसर, चन्द्रबदनी (नेखरी) ने की। उन्होंने कार्यक्रम को सभी के लिए अत्यन्त उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक बताया। कार्यक्रम में मुख्यवक्ता प्रो. रमाकान्त पाण्डेय,कुलपति उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय,हरिद्वार की गरिमामयी उपस्थिति रही। उनके द्वारा भारतीय नाट्यपरम्परा केवल मनोरंजन की विधा न होकर भारतीय जीवन–दर्शन, लोकमंगल, नैतिक मूल्यों, सौन्दर्यबोध एवं सांस्कृतिक चेतना की सशक्त अभिव्यक्ति कहा गया। उन्होंने भरतमुनि के नाट्यशास्त्र, रस–सिद्धान्त,अभिनय,नाट्य के विविध अंगों और कालिदास,भास, शूद्रक एवं भवभूति आदि संस्कृ

त नाटककारों की रचनात्मक परम्परा का उल्लेख करते हुए संस्कृत नाट्य साहित्य की व्यापकता और विशिष्टता को रेखांकित किया। साथ ही उत्तराखण्ड की लोक परम्परा को भी वैदिक परम्परा अनु प्राणित बताया।

मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. हरिराम मिश्र,विशिष्ट संस्कृत अध्ययन केन्द्र,जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली रहे। उन्होंने कहा कि संस्कृत नाटकों में तत्कालीन समाज, राजनीति,संस्कृति, लोकजीवन और मानवीय संवेदनाओं का अत्यंत कलात्मक चित्रण मिलता है। रस,भाव,चार प्रकार के अभिनय,संगीत, नृत्य एवं संवाद के समन्वय से विकसित भारतीय नाट्यपरम्परा ने भारतीय ज्ञान–परम्परा को पीढ़ी–दर–पीढ़ी आगे बढ़ाया है।उन्होंने मुद्राराक्षस नाटक की नाटकीयता पर सोदाहरण विचार प्रस्तुत किये। विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो. अरविन्द नारायण मिश्र मुख्यशास्त्री एवं शिक्षाशास्त्र विभाग उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय,हरिद्वार उपस्थित रहे। उन्होंने आधुनिक डिजिटल माध्यमों के युग में संस्कृत नाट्य साहित्य एवं रंगपरम्परा को नई पीढ़ी से जोड़ने की आवश्यकता पर बल दिया।

वक्ता डॉ. शैलेन्द्र उनियाल, वेद–विभागाध्यक्ष,केन्द्रीय संस्कृ त विश्वविद्यालय परिसर, देवप्रयाग द्वारा भारतीय संस्कृत नाट्यपरम्परा के अन्तर्गत औपनिषदिक आख्यानों को प्रस्तुत किया गया।

संगोष्ठी के जनपद संयोजक एवं संचालक डॉ. मूलचन्द्र शुक्ल संस्कृत विभागाध्यक्ष द्वारा कार्यक्रम की प्रस्तावना प्रस्तुत करते हुए भारतीय संस्कृत नाट्यपरम्परा की समृद्ध विरासत को जन–जन तक पहुँचाने के लिए ऐसे शैक्षणिक आयोजनों को आवश्यक बताया गया। सहसंयोजक आचार्य रोशन गौड ने अतिथियों एवं विद्वानों का स्वागत किया।

कार्यक्रम में आनन्दा हिमानी, डॉ. नवीन जशोला, डॉ. मुदित शुक्ल,डॉ. आशीष त्रिपाठी,डॉ. अजीत पंवार,नाडू गोपाल, बप्पा दास,डॉ. प्रकाश जांगी, प्रो. प्रकाश पन्त,डॉ. कैलासपति मैठाणी एवं परिसर के समस्त प्राध्यापक सहित अनेक गणमान्यजन, शिक्षक,विद्यार्थी और शोधार्थी आदि उपस्थित रहे।

संस्थान द्वारा किये जा रहे संस्कृत के प्रचार प्रसार आदि के कार्यों को बताते हुए सचिव प्रोफ़ेसर विनय विद्यालंकार ने कहा कि संगोष्ठी के माध्यम से प्रतिभागियों को भारतीय ज्ञान परम्परा के एक अत्यंत महत्वपूर्ण आयाम संस्कृत नाट्य साहित्य एवं भारतीय रंगमंच की विरासत को समझने का अवसर मिला है। कार्यक्रम को संस्कृतमास महोत्सव के अंतर्गत भारतीय संस्कृति एवं संस्कृत भाषा के संरक्षण,संवर्धन और प्रचार–प्रसार की दिशा में एक सार्थक शैक्षणिक पहल के रूप में देखा जा रहा है। कार्यक्रम के अन्त में डॉ. दयाधर दीक्षित द्वारा सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

जगत तारन गर्ल्स डिग्री कालेज में धूमधाम से मनाया गया 51वाँ स्थापना दिवस समारोह

प्रयागराज। जगत तारन गर्ल्स डिग्री कॉलेज, प्रयागराज में महाविद्यालय का 51वाँ स्थापना दिवस समारोह बुधवार, 23 सितंबर 2026 को हर्षोल्लास एवं गरिमापूर्ण वातावरण में मनाया गया। समारोह का शुभारंभ महाविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण के साथ हुआ।जिसका आयोजन कल्पतरु क्लब की छात्राओं के द्वारा डॉ ऐश्वर्य सिंह के निर्देशन में किया गया।

इसके पश्चात रवींद्रालय में आयोजित मुख्य समारोह में दीप प्रज्वलन एवं मंगलाचरण के साथ कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ किया गया। इसका संचालन डॉ प्रभा द्विवेदी ने किया। कार्यक्रम में बांसुरी वादन एवं डॉ. नम्रता देव के निर्देशन में बांग्ला भटियारी गीत की मनोहारी प्रस्तुतियों ने उपस्थित जनों को मंत्रमुग्ध किया। महाविद्यालय की प्राचार्या ने अतिथियों का स्वागत करते हुए महाविद्यालय की गौरवशाली यात्रा, उपलब्धियों एवं शैक्षिक परंपरा पर प्रकाश डाला।

समारोह में राजभाषा प्रभारी प्रो. रतन कुमारी वर्मा द्वारा महाविद्यालय की 'पृशाश पत्रिका का संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत किया

गया। इसके पश्चात महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. आशिमा घोष अतिथियों एवं पत्रिका के संपादकों द्वारा पत्रिका का विमोचन किया गया। इस अवसर पर जगत तारन एजुकेशन सोसायटी के अध्यक्ष श्री प्रदीप मुखर्जी ने छात्राओं और शिक्षकों को संबोधित किया और निकट भविष्य की शुभकामनाएं दी। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के राजभाषा अनुभाग के अध्यक्ष प्रो. कुमार वीरेन्द्र ने कहा कि पृशा इलाहाबाद के किसी भी महाविद्यालय की संभवतः पहली साहित्यिक पत्रिका है।इसके लिए उन्होंने महाविद्यालय की शुभकामनाएं दीं। महाविद्यालय के गवर्निंग बॉडी के चेयरमैन प्रो. असीम मुखर्जी ने पत्रिका के लिए संपादकों को खूब बधाई दी एवं छात्रों को उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। वक्ताओं ने महाविद्यालय की स्थापना से लेकर अब तक की विकास यात्रा और उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उसके योगदान को रेखांकित किया।

कार्यक्रम की अगली कड़ी में महाविद्यालय की सांस्कृतिक समिति द्वारा टैलेंट सर्च एवं इंडक्शन प्रोग्राम का आयोजन किया गया। इंडक्शन प्रोग्राम में महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. आशिमा घोष एवं विविध समितियों के अध्यक्षों द्वारा छात्राओं को संबोधित किया तथा अपने संबोधन में छात्राओं को शिक्षा, संस्कार, अनुशासन और निरंतर सीखने के लिए प्रेरित किया।

समारोह के अंत डॉ नम्रता देव धन्यवाद ज्ञापन दिया। कार्यक्रम में जगत तारन एजुकेशन सोसाइटी के सम्मानित सदस्य, महाविद्यालय के ट्रेजरार श्री शंकर चटर्जी, प्रोफेसर रामेन्द्र राय, इलाहाबाद डिग्री कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर अतुल कुमार सिंह महाविद्यालय की समस्त शिक्षक शिक्षिकाएं शोधार्थी एवं छात्रा महाविद्यालय के शिक्षणेत्तर कर्मचारी एवं अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे। पूरे समारोह में महाविद्यालय की 51 वर्षों की गौरवशाली शैक्षिक यात्रा और उपलब्धियों की झलक दिखाई दी।

निबंध लेखन प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने जाना निबंध विधा का महत्व

प्रयागराज। प्रोफेसर राजेन्द्र सिंह रज्जू भैया विश्वविद्यालय, प्रयागराज के अकादमिक भवन स्थित ए–जी6 सेमिनार हॉल में 23 सितंबर 2026 को निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को निबंध विधा के स्वरूप, महत्व एवं लेखन–कौशल से परिचित कराना रहा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता एवं समन्वयक हिन्दी विभागाध्यक्ष एवं अधिष्ठाता कला संकाय प्रोफेसर आशुतोष कुमार सिंह ने की। जिनके मार्गदर्शन से हमेशा से ही साहित्यिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलता रहा है कार्यक्रम की संयोजक सहायक आचार्य हिन्दी विभाग

डॉ. अलका प्रकाश तथा डॉ. अजीत सिंह, रहे। सह–संयोजक के रूप में बबलू यादव तथा आयोजन सहयोगी के रूप में अमित यादव, कोमल यादव एवं किसलय सिंह उपस्थित रहे, जिनके सहयोग से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हो सका। आयोजन सहयोगी के रूप में अमित कुमार यादव, कोमल यादव एवं किसलय सिंह की भी महत्वपूर्ण सहभागिता रही।

कार्यक्रम में डॉ. अलका प्रकाश ने निबंध विधा पर विस्तार से चर्चा करते हुए बताया कि निबंध केवल किसी विषय पर विचारों को लिखित रूप देने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह लेखक की विचारशीलता, अभिव्यक्ति–कौशल, भाषा और दृष्टिकोण को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने वाली महत्वपूर्ण साहित्यिक विधा है। उन्होंने निबंध क्यों लिखा जाता है, निबंध की रचना कैसे की जाती है, उसकी विषय–वस्तु क्या हो सकती है तथा एक प्रभावी निबंध की प्रमुख विशेषताएँ क्या हैं, इन बिंदुओं पर विद्यार्थियों को जानकारी दी। विद्यार्थियों ने प्रश्नोत्तरी के माध्यम से निबंध विधा से जुड़े विभिन्न प्रश्न पूछे और सक्रिय सहभागिता की। चर्चा के दौरान साहित्य के साथ–साथ दैनिक जीवन में भी निबंध लेखन की उपयोगिता पर प्रकाश डाला गया। विद्यार्थियों को विषय की समझ, विचारों का क्रमबद्ध प्रस्तुतीकरण, भाषा की स्पष्टता तथा तार्किक अभिव्यक्ति के महत्व से अवगत कराया गया। इसके पश्चात निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में सत्याप्रजापति ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। अंशिका सिंह एवं आयुष यादव ने संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान प्राप्त किया, जबकि रत्ना सिंह एवं अनुराग आजाद संयुक्त रूप से तृतीय स्थान पर रहे। कार्यक्रम का संचालन सुरभी तिवारी ने किया। अंत में सुमन लता ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए सभी अतिथियों, शिक्षकों, प्रतिभागियों एवं आयोजन से जुड़े सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस आयोजन ने विद्यार्थियों में निबंध लेखन के प्रति रुचि विकसित करने के साथ–साथ उनके विचारों को व्यवस्थित एवं प्रभावी ढंग से अभिव्यक्त करने की क्षमता को प्रोत्साहित किया।

कहते हैं उसको कमल

इंदीवर कुवलय वनज, पंकज कमल सरोज।
पुंडरीक जलजात कह, कहते हैं अंभोज।
कहते हैं अम्भोज, इंडियन लोटस जिसको।
बना राष्ट्रीय फूल, सुशोभित करता जग को।
सुन लो कहें प्रदीप, फ़ारसी में नीलोफर।
सरसीरुह के साथ,नाम सरसिज इंदीवर।।

पौराणिक गाथा बने,जिसके नाना गाथ।
कहते हैं उसको 'कमलश, रहे विष्णु के साथ।
रहे विष्णु के साथ, सदा उपमा बन सुन्दर।
कीचड़ में ले जन्म, हमेशा रहता ऊपर।
सुन लो कहें प्रदीप, हमेशा बना समाजिक।
नूतनता के साथ, कथा कहता पौराणिक।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

मुकेश शुक्ला बने उत्तर प्रदेश वॉलीबाल टीम के चयनकर्ता

प्रयागराज। खेल जगत एवं शिक्षा विभाग में प्रयागराज के मेजा के नाम एक और उपलब्धि जुड़ गई है। मुकेश शुक्ला को इस वर्ष पुनः उत्तर प्रदेश विद्यालयीय वॉलीबाल टीम का सेलेक्टर / चयनकर्ता नियुक्त किया गया है। उत्तर प्रदेश सरकार के राज्य विद्यालयीय खेल संस्थान द्वारा जारी निर्गत पत्र के अनुसार प्रयागराज जिले के पूर्व वॉलीबाल खिलाड़ी एवं बेसिक शिक्षा विभाग में कार्यरत मुकेश शुक्ला को अब प्रयागराज शहर के सी.ए.बी. इंटर कॉलेज में आज दिनांक 24 से 27 सितंबर 2026 तक आयोजित होने वाली (अंडर – 14, 17 व 19) ष 70वीं उत्तर प्रदेश (बालक/बालिका) अंतर मंडलीय स्टेट वॉलीबाल चैम्पियनशिप–2026 ष के दौरान एक कुशल चयनकर्ता की भूमिका में होगें और खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर उत्तर प्रदेश की वॉलीबाल टीम का चयन करेगें। मुकेश शुक्ला द्वारा चयनित किये गए खिलाड़ी इस वर्ष होने वाली ष राष्ट्रीय स्कूल वॉलीबाल प्रतियोगिता ष में उत्तर प्रदेश की वॉलीबाल टीम का प्रतिनिधित्व करेगें। मुकेश शुक्ला ने उत्तर प्रदेश वॉलीबाल टीम का चयनकर्ता बनाये जाने के पश्चात संबंधित अधिकारियों का आभार व्यक्त किया है। मुकेश शुक्ला को चयनकर्ता नियुक्त किये जाने पर खंड शिक्षा अधिकारी वरुण मिश्रा, खंड शिक्षा अधिकारी कैलाश सिंह, जिला एमडीएम प्रभारी राजीव त्रिपाठी, प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला कोषाध्यक्ष मनीष तिवारी, जूनियर शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष विनोद मिश्रा, शिक्षक नेता विनोद शुक्ला, शिक्षा विभाग के जिला क्रीड़ा सचिव बृजेश श्रीवास्तव, एआरपी रामानंद शुक्ला, अजीत मिश्रा, जगदीश मिश्रा व प्रमोद शुक्ला तथा रोहित त्रिपाठी, अनिकेत जायसवाल, कृष्ण कुमार शुक्ला व वीरेंद्र गौड़ आदि लोगों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।

आवश्यक सूचना

रेल प्रशासन द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नॉन इण्टरलॉकिंग कार्य के कारण निम्नलिखित विशेष रेलगाड़ी के मार्ग परिवर्तन किये जाने का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत है-

रेलगाड़ियों का मार्ग परिवर्तन

गाड़ी संख्या	प्रारम्भिक स्टेशन से प्रभावी तिथि	परिवर्तित मार्ग	स्टेशनों पर ठहराव स्थगित रहेगा
04113 प्रयागराज-हुब्बलि	03.10.2026 एवं 10.10.2026	डोन-गुत्ती-गुंतकल-बल्लारी-हुब्बलि	अनंतपुर-धर्मवरम-हिंदूपुर-यलहंका-तुमकूर-अरसीकेरे-दावणगेरे-हावेरी
04114 हुब्बलि-प्रयागराज	06.10.2026	हुब्बलि-बल्लारी-गुंतकल-गुत्ती-डोन	हावेरी-दावणगेरे-अरसीकेरे-तुमकूर-यलहंका-हिंदूपुर-धर्मवरम-अनंतपुर

नोट: ट्रेनों की समय-सारणी के सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 2153/26(D)

उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना संख्या 26/44 दिनांक: 22.09.2026

ई-प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रधान मुख्य सामग्री प्रबन्धक, उ.म.रे., प्रयागराज (आई.एस.ओ.9001: 2015 प्रमाणित इकाई) निम्नलिखित मदों के लिये ई-प्रापण निविदायें आमंत्रित करते हैं।

क्र. सं.	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	निविदा खुलने की तिथि
1	30262047	वी हैमर फॉर ऑल टाईप ऑफ एल एच बी कोचेज।	1966 नग	06.10.2026
2	38261493	बैकिंग रिंग।	16067 नग	12.10.2026
3	6326 RGC04A	विस ई-टेंडर टू इंटर इन्टू रनिंग कान्ट्रैक्ट फॉर मैनुफैक्चर एंड सप्लाई ऑफ कम्पोजिट फुल रबर सोल प्लेट्स (ड्राइंग नं. टी-6747 एण्ड टी-6818) टैक्स पर आईआरएस स्पेसिफिकेशन नं. टी-55-2025 रिवीजन-01 फॉर रेल पैड्स फॉर स्लीपिंग कैनीय रेल।	96,33,341 नग	21-OCT-26
4	80263722	कोन असेंबली कोन टेप एवं रोलर से युक्त	5475 नग	26 अक्टूबर 26

नोट: उपरोक्त सभी ई-प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण IREPS वेबसाईट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। निविदाओं में किसी भी बदलाव/शुद्धि-पत्र के लिए कृपया इस वेबसाईट को नियमित रूप से देखें। समाचार में कोई अलग से शुद्धि-पत्र/परिवर्तन प्रकाशित नहीं किया जायेगा। 2157/26 (MG)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

ई-निविदा सं०: सिग-डब्लू एस-कान्ट्रैक्ट/585 दिनांक : 21.09.2026

ई-निविदा सूचना

ई-टेंडर सूचना संख्या SIG-WS-CONTRACT-585, दिनांक 21.09.2026: उप मुख्य सिग्नल और टेलीकॉम इंजीनियर/निर्माण/उत्तर मध्य रेलवे/प्रयागराज (GM कार्यालय, बेतवा बिल्डिंग, सूबेदारगंज, प्रयागराज) भारत के राष्ट्रपति की ओर से नीचे बताए गए काम के लिए तय फ़ॉर्म पर 21.10.2026 को 15:00 बजे तक ई-टेंडर आमंत्रित करते हैं। ये टेंडर उसी दिन 15:30 बजे खोले जाएंगे।

निविदा संख्या एवं दिनांक : सिग-डब्लू एस-कान्ट्रैक्ट/585 दिनांक : 21.09.2026

कार्य का नाम : नॉर्थ सेंट्रल रेलवे के प्रयागराज डिवीज़न में चुनार-तूसा और सोनभद्र-चोपन (एक्स) डबल लाइन के काम के सिलसिले में, स्टेशनों (यानी विश्वनाथपुरी, सलोखगढ़, चुर्क और अगोरीखास) पर पूरी सिग्नलिंग और टेलीकॉम इनडोर और आउटडोर कामों के साथ इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम की सप्लाई, डिज़ाइनिंग, इंस्टॉलेशन, टेस्टिंग और कमीशनिंग; और चुनार, तूसा, सरसो ग्राम और सोनभद्र स्टेशनों पर मौजूदा EI में बदलाव।

कार्य की अनुमानित लागत : रू. 34,67,84,001.99 (रू० चौंतीस करोड़ सरसठ लाख चौरासी हजार एक रुपया और निन्यानबे पैसा मात्र।)

धरोहर राशि : रू. 69,35,700/- (रू. उनहत्तर लाख पैंतीस हजार सात सौ रुपया मात्र।)

कार्य पूर्ण करने की अवधि : चौबीस माह (24 माह)

निविदा जमा एवं खुलने की तिथि : 21.10.2026 समय 15:30 बजे खुलेगा।

वेबसाइट का विवरण और नोटिस बोर्ड का स्थान जहाँ टेंडर की पूरी जानकारी देखी जा सकती है : वेबसाइट www.ireps.gov.in और उप मुख्य सिग्नल और टेलीकॉम इंजीनियर/निर्माण/उत्तर मध्य रेलवे/ प्रयागराज, GM कार्यालय, बेतवा बिल्डिंग, सूबेदारगंज, प्रयागराज के कार्यालय में लगा नोटिस बोर्ड।

निविदा संबंधी पूर्ण जानकारी हेतु भारतीय रेल के वेबसाइट www.ireps.gov.in को देखें। 2152/26 (C)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

सम्पादकीय.....

एसआईआर की विसंगतियां

देश में चल रहे स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन यानी एसआईआर प्रक्रिया की शुरुआत से ही तमाम तरह के विवाद जुड़े रहे हैं। बिहार विधानसभा चुनाव से ठीक पहले आनन–फानन में शुरू हुई एसआईआर प्रक्रिया को लेकर राजनीतिक दलों से लेकर प्रभावित लोगों ने तमाम सवाल उठाये। फिर पश्चिम बंगाल में भी कई विवाद सामने आए। जब विवाद बढ़ा तो देश की शीर्ष अदालत ने हस्तक्षेप किया। पश्चिम बंगाल में अभी मामला ठंडा पड़ा भी न था कि देश की नामचीन हस्तियों के वोटर रिकॉर्ड में कथित विसंगतियों के चलते नोटिस दिये जाने के बाद विवाद नये सिरे से सामने आया है। जिन लोगों को चुनाव आयोग के अधिकारियों की तरफ से नोटिस भेजे गए हैं, उनमें पूर्व प्रधानमंत्री एल.के.आडवाणी, विदेश मंत्री एस जयशंकर, पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता व आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल भी शामिल हैं। सबसे अजीब बात तो यह है कि चुनाव आयुक्त एस.एस.संधू को भी इस प्रक्रिया के तहत नोटिस भेजा गया है। जबकि इस प्रक्रिया को खुद भारतीय निर्वाचन आयोग चला रहा है। जब एसआईआर की जटिल प्रक्रिया की कसौटी पर देश के जागरूक व दिग्गज नेता ही खरे नहीं उतर रहे हैं तो आम आदमी की क्या बिसात? ऐसे में सामान्य लोगों को अपनी दावेदारी के लिये कागजात जुटाने में कितनी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा होगा, इसका अंदाजा सहज लगाया जा सकता है। यह प्रक्रिया कितनी जटिल हो चली है, वह इस बात से पता चलता है कि मात्र दिल्ली में ही 33 लाख से ज्यादा लोगों को नोटिस जारी किए गए हैं। ये नोटिस विशेष रूप से उन मामलों में जारी किए गए हैं जहां वोटरों को वर्ष 2002 के गहन संशोधन से नहीं जोड़ा जा सका है। दरअसल, एसआईआर प्रक्रिया में 2002 के गहन संशोधन से जोड़ने का प्रावधान बाद में शामिल किया गया । इस व्यवधान की वजह यह है कि नौकरी व शहर बदलने वाले बहुत सारे लोग दो दशक से अधिक समय का पर्याप्त रिकॉर्ड नहीं रख पाते। हालांकि, नया विवाद सामने आने के बाद चुनाव आयोग और दिल्ली के मुख्य चुनाव अधिकारी ने इस बात पर बल दिया है कि एसआईआर की प्रक्रिया में नोटिस मिलने का मतलब यह नहीं है कि वोट काटा जायेगा। आश्वासन दिया जा रहा है कि वोटरों को दस्तावेज जमा करने और जवाब देने का पर्याप्त मौका दिया जाएगा। साथ यह भी कि अंतिम फैसला उचित प्रक्रिया के प्रावधानों के तहत ही लिया जायेगा। निश्चित रूप से यह सुरक्षा आश्वासन बेहद जरूरी है क्योंकि प्रक्रिया में शामिल न हो सकने वाले वोटर तमाम तरह की आशंकाओं से जूझ रहे हैं। इसमें दो राय नहीं है कि वोटर लिस्ट को समय–समय पर अपडेट किया ही जाना चाहिए। जिससे वोटरों के दोहराव, अयोग्य व मृत वोटरों के नाम मतदाता सूची से हटाए जा सकें। लेकिन साथ ही यह सुनिश्चित करना भी जरूरी है कि कोई योग्य नागरिक वोटर लिस्ट से बाहर न रह जाये। निस्संदेह, ये दोनों ही मकसद समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। हालांकि, दिवंगत अर्थशास्त्री बिबेक देबरॉय का नाम उन लोगों की सूची में आना, जिनका डेटा पिछले एसआईआर से जुड़ नहीं पाया था, यह दिखाता है कि डेटाबेस आधारित प्रक्रियाओं में कितनी विसंगतियां हो सकती हैं। इस तरह पश्चिम बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया के दौरान सामने आई जटिलताएं व्यवस्था की विसंगतियों का सटीक उदाहरण प्रस्तुत करती हैं। जिन लोगों के नाम वोटर लिस्ट से हटा दिए गए हैं, हो सकता है कि वे एक दशक से अधिक समय तक वोट न दे पाएं। ऐसे मामलों के निपटारे की मौजूदा रफ्तार को देखते हुए यह निष्कर्ष निकाला जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा बनाए गए अपीलीय ट्रिब्यूनल को उनकी अपीलों पर फैसला लेने में बारह साल से अधिक का समय लग सकता है। इससे पूरे देश के लिये यह सीख मिलती है कि हर योग्य वोटर को, अब चाहे वह विशिष्ट व्यक्ति हो या आम नागरिक– वोटर लिस्ट में बने रहने का उचित अवसर मिलना चाहिए। इस पूरी कवायद की विश्वसनीयता बनाये रखने के लिये एक पारदर्शी और समीक्षा योग्य प्रक्रिया की जरूरत है।

खानपान पर राजनीति

डॉ. दीपक पाचपोर

भाजपा हाल ही में पश्चिम बंगाल में सत्ता पर काबिज हुई है। बंगाल में भाजपा की राजनैतिक शक्ति में बढ़ोतरी के साथ–साथ वहां भगवान राम को बढ़ावा देने का सिलसिला शुरू हो गया है।

राम पुनियानी

आज के दौर में राजनीतिक प्रोपेगंडा से समाज के नजरिए को प्रभावित करने के बहुत से उदाहरण हमारे सामने हैं। खानपान की आदतें भी विभाजनकारी राजनैतिक प्रवृत्तियों के हाथ में एक औजार बन गईं हैं। यह तर्क दिया जाता है कि मुसलमान इसलिए अधिक हिंसक होते हैं क्योंकि वे मांसाहारी होते हैं। पवित्र गाय और गौमांस के सेवन को भी इससे जोड़ दिया गया और नतीजे में हम भारत में लिंचिंग की शुरूआत के साक्षी बने जिसके मुख्य शिकार मुस्लिम होते हैं किंतु साथ ही बड़ी संख्या में दलितों को भी इसका सामना करना पड़ता है। हाउसिंग सोसायटियों में किसे रहने की इजाजत दी जाए और किसे नहीं, यह भी खानपान की आदतों के आधार पर तय होने लगा है। हाउसिंग सोसायटियां फ्लैट बेचने की अनुमति देने के पहले खरीदार की खानपान की आदतों के बारे में पूछताछ करती हैं। यह मुद्दा अधिक जटिल स्वरूप में हाल में बंगाल में सामने आया जहां पूजा–पंडालों के आसपास मांसाहारी खाद्य सामग्री न रखने की सलाह दी गई। साथ ही, समाज का एक तबका यह मांग कर रहा है कि जैन धर्म के पर्यूषण पर्व के दौरान मांसाहारी खाद्य पदार्थों पर प्रतिबंध लगना चाहिए। धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री (पर्चीवाले बाबा, जिन्हें प्रधानमंत्री अपना छोटा भाई कहते हैं) की दुर्गापूजा में मांसाहार पर निषेध की सलाह की मिलीजुली प्रतिक्रिया हुई। कुछ ही दिनों में बंगाल का सबसे बड़ा उत्सव, दुर्गा पूजा प्रारंभ होने वाला है। भाजपा हाल ही में पश्चिम बंगाल में सत्ता पर काबिज हुई है। बंगाल में भाजपा की राजनैतिक शक्ति में बढ़ोतरी के साथ–साथ वहां भगवान राम को बढ़ावा देने का सिलसिला शुरू हो गया है। भाजपा और उसके समर्थकों द्वारा भगवान राम पर केन्द्रित उत्सवों को बढ़ावा दिया जा रहा है। राम का सहारा लेने से भाजपा को उत्तर भारत में जबरदस्त चुनावी लाभ हुआ, जिसका प्रभाव पूरे देश के चुनावी परिदृश्य पर पड़ा। भाजपा ने बंगाल में सत्ता संभालने के बाद बागेश्वर धाम के धीरेन्द्र शास्त्री को बंगाल आने का न्यौता दिया। वे हावड़ा के लिलुआह में हनुमान कथा सुनाने के लिए आए थे। उन्होंने लोगों को सलाह दी कि पूजा के दौरान मांसाहारी खाद्य पदार्थों को दुर्गा प्रतिमा से दूर रखा जाए। ऐसा ही परामर्श आरएसएस की सहयोगी संस्था व्हीएचपी द्वारा कुछ दिन पहले दिया जा चुका था। इससे बंगाली हिन्दू नाराज हो गए। इनमें वे हिन्दू भी शामिल थे जो स्वयं को शहिन्दू राष्ट्रवादीश कहते हैं। कई प्रमुख बंगालियों ने अपना विरोध प्रदर्शित किया और वक्तव्य जारी कर कहा कि शास्त्री को हमें यह सिखाने की कोशिश नहीं करनी चाहिए कि हम दुर्गापूजा कैसे मनाएं और क्या खाएं और क्या न खाएं। इस प्रतिक्रिया की वजह यह तथ्य है कि मछली और बकरे के मांस से बनने वाले व्यंजन दुर्गा उत्सव का लगभग अनिवार्य हिस्सा हैं। कई लोगों ने इस ओर ध्यान दिलाया कि मछली का बंगाली संस्कृति में बहुत महत्वपूर्ण स्थान है और मांसाहारी खाद्य पदार्थ हिंदू धर्म के कई धार्मिक संस्कारों का हिस्सा हैं। त्रिपुरा के पूर्व राज्यपाल तथागत रॉय से लेकर कई पत्रकारों, कंटेट क्रियेटरों, समाज के विभिन्न वर्गों के व्यक्तियों, जिनमें स्वयं को बंगाली हिन्दू राष्ट्रवादी कहने वाले भी शामिल हैं, ने इसके प्रति विरोध प्रदर्शित किया। श्बंगालियों को यह न बताया जाए कि वे दुर्गा पूजा कैसे मनाएं कोलकाता की कंटेट क्रियेटर श्रेयसी विश्वास बैनर्जी ने फेसबुक पर लिखा। उन्होंने एक वीडियो भी अटैच किया जिसमें उन्होंने कहा कि एक श्बाहरी व्यक्ति विशिष्ट बंगाली धार्मिक और पाक परंपराओं के कायदे निर्धारित कर रहा है। कई लोगों ने शास्त्री के पोस्टरों को फाड़ा और विकृत किया। शुभेन्दु अधिकारी, जिन्होंने शास्त्री का बहुत गर्मजोशी से स्वागत किया था, कोलकाता के कालीघाट मंदिर में एक समारोह में शामिल हुए और प्रसाद के रूप में तली हुई मछली का सेवन किया। कई लोगों ने कहा कि मछली बंगाली संस्कृति का केन्द्रीय तत्व है। भारत सभी दृष्टियों से अत्यंत विविधतापूर्ण है चाहे वह खानपान हो, वेशभूषा हो, भाषा हो या धर्म। हिन्दुओं के कई पंथ हैं और कई तरह की खानपान की आदतें और परंपराएं हैं। मटन के व्यंजन कश्मीरी ब्राह्मणों की संस्कृति का अपरिहार्य भाग है। खानपान की आदतें कई कारकों से निर्धारित होती हैं। भौगोलिक स्थिति उसका एक महत्वपूर्ण आधार होता है। तटीय क्षेत्रों में समुद्री भोजन आहार का महत्वपूर्ण हिस्सा है। हाल में संपन्न हुए ब्रिक्स सम्मेलन में प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए रात्रिभोज में केवल शाकाहारी भोजन परोसा गया। संयोगवश शी जिनपिंग इस भोज में शामिल नहीं हुए, इसकी वजह चाहे जो भी रही हो। जहां विपक्ष ने अंतरराष्ट्रीय अतिथियों के लिए केवल शाकाहारी भोजन उपलब्ध कराने की आलोचना की वहीं किरन रिजिजू ने इसका बचाव करते हुए कहा कि अतिथियों ने मेनू की तारीफ की। इससे सरकार का यह नजरिया भी जाहिर होता है कि भारत केवल शाकाहारी व्यंजनों वाला देश है। उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाल में राज्य के सभी जिलों के मुख्य व्यंजनों का एक मानचित्र प्रकाशित करवाया। इसमें लखनऊ के टुंडे कबाब का जिक्र नहीं था और केवल शाकाहारी व्यंजनों को सम्मिलित किया गया था, मानो उत्तरप्रदेश पूरी तरह शाकाहारी हो। एक अन्य घटनाक्रम में 14 मुसलमानों को केवल इसलिए नजरबंद कर दिया गया क्योंकि वे गंगा नदी में नौका विहार करते हुए रोजा अफ्तार के दौरान चिकन बिरयानी खा रहे थे।

फटा ढोल, खुली पोल!

राजेंद्र शर्मा

पुरानी कहावत हैकृबंद मुट्ठी लाख की, खुल गयी तो खाक की! नरेंद्र मोदी के छिहत्तर वर्ष पूरे होने पर महीने भर चलने वाले भाजपायी से बढ़कर सरकारी आयोजनों का सिलसिला, बेशक अभी जारी ही है। फिर भी, ऐसा लगता है कि काफी हद तक इन आयोजनों की हवा निकल गयी है। यह हुआ है प्रधानमंत्री मोदी के जन्म दिन को, एक जन–समारोह बनाकर दिखाने की कोशिश के उल्टा पड़ जाने और मोदी की न भूतो न भविष्यत्द्ध किस्त की लोकप्रियता की मुट्ठी खुल जाने के चलते। जैसा कि लगभग सभी निष्पक्ष प्रेक्षकों ने दर्ज किया है, शासन की सत्ता व संसाधनों, संघ परिवार के संगठन व प्रभाव और मुख्यधारा के मीडिया के अपना पूरा जोर लगाने के बावजूद, तथाकथित एक दिया आशीर्वाद का अभियान, न सिर्फ आम लोगों की हिस्सेदारी हासिल करने में बुरी तरह विफल रहा बल्कि उन हलकों की भी कोई दर्शनीय हिस्सेदारी नहीं हासिल कर सका, जो कम से कम नरेंद्र मोदी के नेतृत्ववाली भाजपा–संघ के अभियानों के पिछले कई वर्ष से मुखर समर्थक रहे थे। प्रायः सभी प्रेक्षकों ने यह दर्ज किया है कि महानगरों की जिन मध्य वर्गीय से लेकर उच्च वर्गीय तक आवासीय सोसायटियों ने छः साल पहले कोरोना के दौरान, नरेंद्र मोदी की ही पुकार पर बड़े जोर–शोर से ताली–थाली बजाने से लेकर, दीया–बाती करने तक के कर्मकांड किए थे, उन्होंने भी मोदी के जन्म दिन पर आशीर्वादद्ध समर्थन के प्रदर्शन के दीपक जलाना गवारा नहीं किया। आशीर्वाद का दिया अभियान के प्रति जन–निरुत्साह इतना प्रकट था कि मोदी और भाजपा से बढ़कर, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की प्रतिष्ठा की चिंता करने वालों ने, मोदी के ही हाथों में ज्यादा से ज्यादा ताकत केंद्रित होते जाने से आरएसएस की नाराजगी और मोदी की बढ़ती श्व्यक्ति पूजाश के प्रति आरएसएस की उदासीनता देखना भी शुरू कर दिया है। हैरानी की बात नहीं है कि उज्जैन के एक आयोजन में आरएसएस प्रमुख, भागवत की इस टिप्पणी को कि सब कुछ अपनी इच्छा से नियंत्रित करने का अहंकार निरर्थक है, कोई चाहे या न चाहे, उगने के बाद सूर्य अस्त होता ही है, नरेंद्र मोदी की सत्ता के सूर्य के ढल रहे होने की स्वीकृति के रूप में भी पढ़ा जा रहा है। कहने की जरूरत नहीं है कि नरेंद्र मोदी के लिए अपार जन–समर्थन और उनकी अभूतपूर्व लोकप्रियता के दावों में पहले भी सच्चाई का तत्व थोड़ा ही था और प्रचार का ही तत्व ज्यादा था। सच तो यह है कि न सिर्फ अपनी अभूतपूर्व चुनावी सफलताओं के बावजूद, नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अकेले भाजपा ही नहीं, एनडीए का गठजोड़ भी हरेक चुनाव में कुल वोट के आधे से काफी कम तक सीमित रहने के बाद भी, फर्स्ट पॉस्ट द पोस्ट पर आधारित भारतीय चुनाव प्रणाली की असंतुलितता के चलते ही, लोकसभाई तथा विधानसभाई सीटों का बहुमत हासिल करता रहा है और इसे ही नरेंद्र मोदी की अपार लोकप्रियता के साक्ष्य के रूप में प्रचारित किया जाता रहा है। 2024 के आम चुनाव में तो, चुनाव आयोग की सारी पक्षपाती भूमिका और वास्तव में उसके अनेक संदेहजनक फैसलों के बावजूद, न सिर्फ मोदी के नेतृत्व में भाजपा लोकसभा में पूर्ण बहुमत से काफी नीचे खिसक गयी थी बल्कि चंद्रबाबू नायडू, नीतीश कुमार और चिराग पासवान की पार्टियों की बैसाखियों के सहारे ही नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री पद पर तीसरा कार्यकाल हासिल कर पाए थे। उसके बाद से सबसे बढ़कर चुनाव आयोग की तिकड़मों के ही बल पर, मोदीशाही ने चुनाव के मैदान में अगर नुकसान की कुछ भरपाई कर भी ली है, तो उसे कम से कम जन–स्वीकृति का ठप्पा नहीं माना जा सकता है। इस सच्चाई को वामपंथ के समर्थन से और कॉकरोच जनता पार्टी के माध्यम से तथा अन्यत्र भी, पिछले कुछ ही महीनों में सामने आयी युवाओं की आंदोलनात्मक बेचैनी ने, आंखें खोलने वाले तरीके से सामने लाकर रख दिया है। हैरानी की बात नहीं है कि खासतौर पर पढ़े–लिखे युवाओं तथा छात्रों की इस बगावत से बदहवास, नरेंद्र मोदी से लेकर भागवत तक ने, जेन जी कहलाने वाली इस युवा पीढ़ी को, सिर्फ बातों से खुश कर के पटाने की कोशिशें शुरू कर दी हैं। लेकिन, उनके दुर्भाग्य से इस युवा पीढ़ी की वास्तविक और वास्तव में उसका दम ही घोंट रही चिंताओं के ठोस समाधान का दिखावा करना भी, देसी–विदेशी इजारेदार पूंजी की सेवा में जुटी, संघ–भाजपा की इस बादशाहत के बस में नहीं है। हैरानी की बात नहीं है कि ठीक उस समय, जब एक तिमाही के जीडीपी के बढ़े–चढ़े आंकड़ों के बल पर, जिनकी विश्वसनीयता इतनी कम है कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष तक ने वर्तमान निजाम के आर्थिक आंकड़ों को सी ग्रेड में रखा है, जो विश्वसनीयता के सबसे निचले स्तर को दिखाता है, प्रधानमंत्री मोदी संकटों से घिरी दुनिया में उनके राज में भारत के ही सबसे तेजी से विकास कर रहे होने का ढोल पीट रहे थे, तभी खुद उनकी सरकार के दूसरे आंकड़े वास्तव में जनता और खासतौर पर युवाओं के लिए हालात के भयावह से भयावह होते जाने की गवाही दे रहे थे। मिसाल के तौर पर, 2025 में पहली बार जब जिला स्तर पर पीरियोडिक लेबर फोर्स सर्वे किया गया, तो उसमें यह आंखें खोलने वाला तथ्य सामने आया कि देश के करीब 250 जिलों में 15 से 29 वर्ष तक आयु का हर चौथा युवा पूरी तरह से खाली बैठा हुआ हैकृवह न तो किसी उत्पादक काम में लगा हुआ है, न शिक्षा हासिल कर रहा है और न रोजगार के लिए किसी तरह का प्रशिक्षण ही ले रहा है। प्रथमाक्षरों को जोड़कर सार्थक शब्द बनाने के शौकीन मोदी राज ने इन युवाओं के लिए भी एक नयी संज्ञा गढ़ी हैकृनीट यानी नॉट इन एम्प्लाइमेंट, एजुकेशन ऑर ट्रेनिंग (एनईईटी)। सांख्यिकी मंत्रालय द्वारा मोदी के जन्म दिन के जश्न के ठीक अगले ही दिन जारी किए गए आंकड़े बताते हैं कि बिहार, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब तथा प.बंगाल जैसे राज्यों में करीब दो–तिहाई जिलों में हर चौथा युवा इसी तरह शुद्घ रूप से खाली बैठा हुआ है। आंध्र प्रदेश, ओडिशा, असम तथा तेलंगाना जैसे राज्यों में भी करीब आधे जिलों में हरेक चौथा युवा इसी तरह खाली बैठा हुआ है।

दोहे

बिना पढ़े क्या बुद्धि हो, बिना तेज क्या ज्ञान।
बुद्धि कहीं बँटती नहीं, मिले न कहीं दुकान।।

शिक्षा के दरबार में, है गुरु का अपमान।
जाति–पांत मत खेलिए, धरिए इसका ध्यान।।

अंधकार बढ़ने लगा, जात–पांत का द्वन्द्व।
कैसी ये सरकार है, चले–चाल छलछंद।।

झूठ सदा चलता नहीं, दिवस न एक समान।
सत्य कभी मरता नहीं, आप सभी लो जान।।

सत्ता कितनी खोखली, सदा बढ़ाती लोभ।
नेता अब गिरने लगे, और बढ़ाया क्षोभ।।

भेदभाव अब बस करो, तोड़ो गलत विधान।
हर गरीब जिन्दा रहे, बचे सभी का मान।।

कलम मौन कब तक रहे, कहे न कैसे साँच।
शिक्षक का दामन जले, पक्षपात की आँच।।

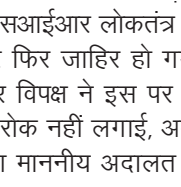

पंडित राकेश मालवीय मुस्कान
प्रयागराज–१६

सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार को याद करना जरूरी

दिल्ली में जारी एसआईआर में खामियां और चुनाव आयोग की नाकामियां खुलकर सामने आ ही रही हैं। लेकिन सबसे खतरनाक बात यह है कि चुनाव आयोग सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार को ही खत्म करने के संकेत दे रहा है। 20 सितंबर को दिल्ली चुनाव आयोग की एक विज्ञप्ति जारी हुई है, जिसमें लिखा है–वीआईपी चिह्नित मतदाताओं को नोटिस जारी किए जाने के संबंध में विभिन्न प्रिंट और सोशल मीडिया रिपोर्टों पर प्रेस नोट। शब्दों पर गौर करें वीआईपी मतदाता का इस्तेमाल चुनाव आयोग ने किया है। जबकि संविधान के मुताबिक सारे नागरिक मतदाता के तौर पर एक समान ही हैं, उनमें न कोई वीआईपी है, न कोई साधारण। इसलिए जब हम चुनावों में वोट डालने जाते हैं तो एक ही कतार में सब खड़े होते हैं और अपनी बारी आने पर एक ही वोट डालते हैं। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 326 के तहत लोकसभा और राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार के आधार पर कराए जाने का प्रावधान किया गया है। सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार यानी यूनिवर्सल एडल्ट फेंचाइज का अर्थ है कि देश के सभी वयस्क नागरिकों को बिना किसी भेदभाव के वोट देने का अधिकार प्राप्त होना। पाठक कृपया ध्यान दें, बिना किसी भेदभाव के, अर्थात देश में हर वयस्क नागरिक को एक चुनाव में एक वोट देने का समान अधिकार मिला हुआ है। फिर चाहे वह वोट नरेन्द्र मोदी का हो, गौतम अडानी का हो या किसी गरीब बस्ती में रहने वाले नौशाद खान का हो। संविधान की नजर में पद, ओहदे, संपत्ति, धर्म, जाति, लिंग से परे हर नागरिक समान है। इसलिए हर नागरिक का एक वोट होता है और हर वोट का मूल्य समान होता है। सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार जाति, धर्म, लिंग, वर्ण, नस्ल, आर्थिक स्थिति (संपत्ति या आय) या शिक्षा के आधार पर बिना किसी भेदभाव के सारे वयस्क नागरिकों को हासिल है। भारत में 18 वर्ष या उससे अधिक आयु का प्रत्येक नागरिक वोट देने का अधिकारी है। यानी वह वयस्क है। इससे पहले वर्ष 1988 में 61वें संविधान संशोधन द्वारा मतदान की आयु 21 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष कर दी गई थी। सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार ही लोकतंत्र की नींव और भारतीय लोकतंत्र का मुख्य आधार है। सबसे खास बात यह है कि 26 जनवरी 1950 को संविधान लागू होने के साथ ही सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार नागरिकों को मिल गया। जबकि उस समय अमेरिका समेत कई देशों में हर वयस्क नागरिक को वोट का अधिकार नहीं मिला था। कहीं महिलाओं को, कहीं अश्वेतों को, कहीं गरीबों को वोट देने के योग्य नहीं समझा जाता था। आज के दौर में ये बातें अजीब लग सकती हैं, लेकिन जब दुनिया कई किस्म के भेदभाव का शिकार थी, जिसमें भारत भी शामिल था, उस समय भारत की पहली सरकार ने ऐसा प्रगतिशील कदम उठाया था, जिससे देश में लोकतंत्र की नींव मजबूत बनी। सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार का यह पुर्नस्मरण इस समय करवाना जरूरी है। वैसे तो आठवीं कक्षा की राजनीति विज्ञान की किताब में इस पर एक अध्याय है। लेकिन इस समय मोदी सरकार और चुनाव आयोग की जो हरकतें हैं, उसके बाद कब इस अध्याय को हटा दिया जाए और कब सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार से देश के गरीबों, अल्पसंख्यकों, कमजोर तबकों को वंचित कर दिया जाए, कहा नहीं जा सकता। दिल्ली चुनाव आयोग की विज्ञप्ति में वीआईपी मतदाता का जिक्र इसका ताजा उदाहरण है। गौरतलब है कि दिल्ली में एसआईआर की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी करते समय चुनाव आयोग ने पहले की वोटर लिस्ट के मुकाबले 47 लाख से ज्यादा लोगों के नाम काट दिए थे। जिन लोगों के नाम ड्राफ्ट लिस्ट में हैं उनमें से 33 लाख से ज्यादा लोगों को विभिन्न कारणों के नोटिस भेजे जा रहे हैं। जिन लोगों को नोटिस भेजे गए हैं उन सभी को चुनाव आयोग के अधिकारियों के सामने पेश होकर अपने वोटर होने का दावा पेश करना होगा। खास बात यह है कि नोटिस पाने वालों में दिल्ली में रहने वाले कई वरिष्ठ मौजूदा और रिटायर्ड आईएएस अफसर शामिल है, इनमें चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधु का नाम भी दर्ज है। चुनाव आयोग ने जिन लोगों को नोटिस भेजा है उनमें दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, बीजेपी सांसद बांसुरी स्वराज, विदेश मंत्री एस जयशंकर, विदेश सचिव विक्रम मिसरी, सेबी चेयरमैन तुहिन कांत पांडे, प्रधानमंत्री के प्रधान साइंटिफिक एडवाइजर अजय सूद जैसे कई नाम शामिल हैं। इनमें से किसी का नाम पिछली लिस्ट में नहीं मिला, किसी का नाम गलत लिखा गया है। हैरानी की बात यह है कि लालकृष्ण आडवानी को भी नोटिस मिला है, क्योंकि 2002 की वोटर लिस्ट में उन का नाम नहीं मिला जबकि उस दौरान लालकृष्ण आडवाणी देश के उप प्रधानमंत्री थे और दिल्ली में ही रहते थे। चुनाव आयोग की लापरवाही का अंदाजा इससे भी लगाया जा सकता है कि प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार समिति में रहे बिबेक देबरॉय के नाम भी नोटिस जारी हुआ है, जबकि 2024 में उनका देहांत हो चुका है। वैसे चुनाव आयोग ने शनिवार को भी एक विज्ञप्ति जारी कर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नाम पर नोटिस जारी होने पर स्पष्टीकरण दिया था कि अब उनका नाम वोटर लिस्ट में शामिल कर लिया गया है। लेकिन बाकी जिन लाखों लोगों को नोटिस जारी हुए है उस पर चुनाव आयोग की तरफ से अभी तक कोई सफाई नहीं आई है। रेखा गुप्ता मामले में चुनाव आयोग ने जब तत्परता से काम करते हुए उनका नाम फौरन जोड़ा था, तब सवाल उठे थे कि क्या चुनाव आयोग उन तमाम लोगों के लिए भी ऐसी ही तत्परता दिखाएगा, जो अकारण वोटर लिस्ट से हटा दिए गए हैं। अब चुनाव आयोग ने खुद वीआईपी मतदाता वाली विज्ञप्ति जारी कर अपना रुख साफ कर दिया है। इससे जाहिर हो गया है कि चाहे लालकृष्ण आडवाणी हों या बांसुरी स्वराज, तमाम नेताओं और अफसरों को तो वीआईपी होने का लाभ चुनाव आयोग दे देगा, और बचे लाखों लोग नोटिस पर सफाई देने के लिए सारे कामधाम छोड़कर बीएलओ के पास चक्कर लगाते रहेंगे। एसआईआर लोकतंत्र के साथ कितना बड़ा खिलवाड़ है, यह एक बार फिर जाहिर हो गया है। बिहार से लेकर प.बंगाल तक बार–बार विपक्ष ने इस पर सवाल उठाए, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने इस पर रोक नहीं लगाई, अब वीआईपी मतदाता वाली विज्ञप्ति के बाद क्या माननीय अदालत संज्ञान लेगी, यह देखना होगा।

भावुक हुए विवेक ओबेरॉय, पायलट बनी कैंसर सर्वाइवर बेटी, नेपाली फिल्म में करेगी लीड रोल

विवेक ओबेरॉय उस वक्त इमोशनल हो गए, जब उनकी गोद ली हुई एक कैंसर से पीड़ित बच्ची पूरी तरह कैंसर मुक्त हो गई। सेहरा नाम की यह लड़की अब अपनी पहली फिल्म करने जा रही हैं। विवेक ओबेरॉय ने जब सेहरा शाह को गोद लिया, तब वह सिर्फ ढाई साल की थीं। वह उसे कैंसर पेशेंट्स एंड असोसिएशन में लेकर आए, जो कि भारत के सबसे बड़े कैंसर मैनेजमेंट छळ्टे में से एक है। मुंबई में मौजूद यह छळ्ट उन मरीजों के इलाज पर फोकस करता है जो अपने ट्रीटमेंट का खर्जा नहीं उठा सकते। काफी वक्त तक चले इलाज के बाद अब 22 साल की सेहरा पूरी तरह कैंसर मुक्त हैं।

नेपाली फिल्म में प्ले करेंगी लीड रोल

सेहरा ने एविएशन की ट्रेनिंग ली है और वह जल्द ही कॉमर्शियल पायलट बनने जा रही हैं। मंगलवार को ब्च्। मुंबई में ने यह भी ऐलान किया कि वह अपने फॉस्टर पिता के नक्श–ए–कदम पर भी आगे बढ़ना चाहती हैं। सेहरा ने बताया कि वह एक नेपाली फिल्म में लीड रोल करने वाली हैं। यह फिल्म अगले साल रिलीज होगी, जो कि विवेक ओबेरॉय के लिए भी किसी सरप्राइस से कम नहीं होगा। सेहरा ने इस इवेंट में बातचीत के दौरान कहा, ष्मैंने अपनी एविएशन ट्रेनिंग पूरी कर ली है। मैं जल्द ही आपसे दुबई में मिलूंगी, और मुझे नहीं लगता है कि हमारे बीच किसी तरह की दूरियां आएंगी।

सेहरा ने पिता को दिया बड़ा सरप्राइज

इसके बाद सेहरा ने अपने फॉस्टर पिता को उनके 50वें जन्मदिन पर एक ऐसा सरप्राइज दे दिया जिससे विवेक भावुक हो गए और सेहरा को गले लगा लिया। विवेक ओबेरॉय ने अपने 50वें जन्मदिन पर 50 और कैंसर से जूझ रहे बच्चों को गोद लिया है और उनके इलाज का पूरा खर्चा वहन करने की बात कही है। सेहरा ने अपने पिता को इस मौके पर सरप्राइज देते हुए कहा, "मैं एक फिल्म में लीड रोल प्ले करने जा रही हूं। यह एक नेपाली फिल्म है। मैंने अभी तक इसे साइन नहीं किया है। मैं आपका आशीर्वाद लेना चाहती थी। आप मेरी जिंदगी का बहुत अहम हिस्सा रहे हैं।"

कभी मत भूलना कि तुम विनर हो

सेहरा ने कहा– मैं जब छोटी बच्ची थी, तब से मैंने आपको देखा है, और मैं हमेशा से आपके कदमों पर आगे बढ़ना चाहती थी। मैंने अभी आधी जिंदगी भी नहीं जी है। मुझे नहीं लगता कि मैं कभी आधा भी वैसा बन पाऊंगी, जैसे आप हैं। सेहरा की बातें सुनकर विवेक ओबेरॉय भावुक हो गए और उन्होंने कहा, "यह मेरे लिए बहुत गर्व का दिन है। मैं चाहता हूं कि तुम अपने करियर में खूब तरक्की करो, और फिल्मों में भी बहुत अच्छा करो। मैं बहुत खुश हूं। गॉड ब्लेस यू बेटा। कभी मत भूलना कि तुम एक विनर हो। तुम कैंसर के खिलाफ लड़ी हो, और आज जिंदगी में एक

> "विवेक ओबेरॉय ने जब सेहरा शाह को गोद लिया, तब वह सिर्फ ढाई साल की थी। वह उसे कैंसर पेशेंट्स एंड असोसिएशन में लेकर आए, जो कि भारत के सबसे बड़े कैंसर मैनेजमेंट छळ्टे में से एक है। मुंबई में मौजूद यह छळ्ट उन मरीजों के इलाज पर फोकस करता है जो अपने ट्रीटमेंट का खर्जा नहीं उठा सकते। काफी वक्त तक चले इलाज के बाद अब २२ साल की सेहरा पूरी तरह कैंसर मुक्त हैं।

खुशहाल अचीवर हो।"

गर्व से भावुक हो गए विवेक ओबेरॉय

विवेक ओबेरॉय ने कहा, ष्मैं बता नहीं सकता कि मैं कितना खुश हूं। मैं इतना गौरवान्वित हूं कि मेरी आंखें भर आई हैं। मैंने इस बच्ची को ढाई साल की उम्र में लाल आंखों और पीले पड़ चुके चेहरे के साथ कीमोथैरिपी करवाते और कैंसर से लड़ते देखा है। मैंने इसकी कैंसर से वो लड़ाई देखी है। जिस तरह उसने मेरी उंगली पकड़ी थी, मैं जानता था कि वो जीतेगी। मै हर रोज उसके लिए दुआ करता था। आज वह कैंसर से जीत चुकी है। मालूम हो कि विवेक ओबेरॉय के उनकी पत्नी प्रियंका अल्वा से 2 बायलॉजिकल बच्चे हैं, लेकिन इसके अलावा उन्होंने कई कैंसर पीड़ित बच्चों को गोद लिया हुआ है।

'गंवार हो क्या?'.. कैटरीना को ट्रोल करने वालों पर बरसीं परिणीति

कैटरीना कैफ मां क्या बनीं, सोशल मीडिया के कुछ ट्रोलर्स को उनकी बॉडी पर ज्ञान बांटने का मौका मिल गया। किसी ने वजन पर कमेंट किया तो किसी ने उनके बदले हुए लुक पर सवाल उठाए। अब इस पूरे तमाशे पर अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा का पारा चढ़ गया है। खुद मां बन चुकीं परिणीति ने कैटरीना का खुलकर बचाव करते हुए बॉडी शेमिंग को 'बेतुका और गंवारपन' करार दिया। परिणीति ने सवाल उठाया कि आखिर बच्चे को जन्म देने के बाद महिला के शरीर में आए बदलावों पर चर्चा ही क्यों होनी चाहिए? उनके मुताबिक, मां बनने के बाद शरीर में बदलाव कमजोरी नहीं, बल्कि इस बात का सबूत हैं कि महिला ने नौ महीने बच्चे को जन्म देने के लिए कितनी मेहनत की है। परिणीति ने ट्रोलर्स को भी जमकर लताड़ा और कहा कि महिलाओं को ऐसे लोगों की बातों पर ध्यान देने की जरूरत नहीं है। इससे पहले सलमान खान भी कैटरीना के समर्थन में ट्रोलर्स को खरी–खोटी सुना चुके हैं।

`द पैराडाइज' की रिलीज से पहले नानी ने रीक्रिएट किया टीजर वाला आइकॉनिक लुक

नेचुरल स्टार नानी स्टारर श्द पैराडाइजश साल की सबसे ज्यादा इंतजार की जाने वाली फिल्मों में से एक है। फिल्म का डायरेक्शन श्रीकांत ओडेला ने किया है। मेकर्स ने दर्शको के उत्साह को बढ़ाने के लिए पहले ही टीजर और गानों के साथ फिल्म की रिलीज के लिए स्टेज सेट कर दिया है। फिल्म को लेकर बढ़ रहे उत्साह के बीच हुए एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में नेचुरल स्टार नानी को टीजर वाले अपने लुक को दोबारा रीक्रिएट करते देखा गया। जुहू पीवीआर में द पैराडाइज के प्रेस कॉन्फ्रेंस को आयोजित किया गया, जिसमें फिल्म के शानदार कास्ट राघव जुयाल, नेचुरल स्टार नानी, कायडू लोहार, और सोनाली कुलकर्णी ने शिरकत की। यह प्रेस कॉन्फ्रेंस पूरी तरह फिल्म के लिए था, जिसमें नानी को टीजर में देखे गए उनके अनोखे लुक को दोबारा रीक्रिएट करते हुए देखा गया। नानी इस मौके पर टीजर के एक आइकॉनिक सीन की तरह प्रिंटेड स्टाइलिश आउटफिट में थे। इसके साथ ही उनके इस लुक को स्टाइलिश गॉगल्स ने और भी शानदार बनाया। नानी का यह लुक इवेंट में सेंटर ऑफ अट्रैक्शन बन गया था। इस तरह से अब, कहना होगा कि द पैराडाइज को लेकर बज पहले से भी ज्यादा यानी ऑल–टाइम हाई पर है, क्योंकि फिल्म की रिलीज में अब बस दो दिन बाकी हैं। इसके अलावा, द पैराडाइज के गाने नए स्टैंडर्ड सेट कारने के साथ, रिकॉर्ड तोड़ रहे हैं। फिल्म का पहला गाना श्आया शेरश ने यूट्यूब पर 200 मिलियन से ज्यादा व्यूज और 1. 8 मिलियन से ज्यादा लाइक्स हासिल किए हैं, और हजारों इंस्टाग्राम रील्स के साथ यह सोशल मीडिया पर छा गया है। वहीं, दूसरा गाना, येशानागुला, भी यूट्यूब पर 119 मिलियन से ज्यादा व्यूज और 700ज्ञ लाइक्स का आंकड़ा अपने नाम कर चुका है। यह गाने कई चार्ट्स और प्लेटफॉर्म्स पर बनी हुईं हैं और यह सबूत है कि दर्शक फिल्म को लेकर कितने उत्साहित हैं। सिनेमाज के प्रोडक्शन में बनी द पैराडाइज 24 सितंबर 2026 को हिंदी, तेलुगु, तमिल, अंग्रेजी, स्पेनिश, बंगाली, कन्नड़ और मलयालम समेत आठ भाषाओं में बड़े स्तर पर सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म के ग्लोबल लेवल को देखते हुए मेकर्स ने कथित तौर पर हॉलीवुड स्टार रयान रेनॉल्ड्स से द पैराडाइज को इंटरनेशनल मार्केट्स में प्रेजेंट करने के लिए संपर्क किया है। शानदार डायरेक्टर, दमदार स्टारकास्ट और ग्लोबल स्केल के साथ द पैराडाइज सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक बड़े कल्चरल फेनोमेनन के रूप में सामने आ रही है, जिसे लेकर फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

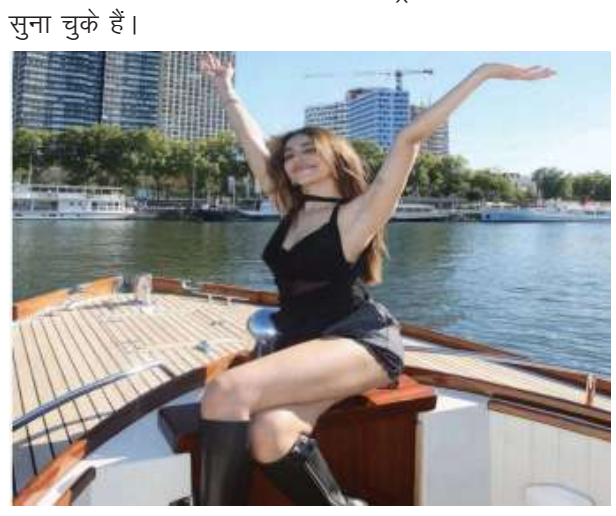

पानी के बीच अलाया की मस्ती!

बॉलीवुड की स्टाइल सेंसेशन अलाया एफ इन दिनों पर्दे से ज्यादा सोशल मीडिया पर अपने कूल और बिंदास अंदाज से सुर्खियां बटोर रही हैं। कभी ग्लैमरस लुक तो कभी बेफिक्र मस्ती,अलाया का नया सोशल मीडिया अपडेट पैंह्वस के बीच चर्चा का विषय बन गया है। इस बार अभिनेत्री ने पानी के बीच दोस्तों संग ऐसा ब्रेक लिया कि तस्वीरें देखते ही मूड प्रह्वेश हो जाए! इंस्टाग्राम पर शेयर की गई तस्वीरों में अलाया बोट पर दोस्तों के साथ मस्ती के मूड में नजर आ रही हैं। खुले आसमान, नीला पानी और आसपास का खूबसूरत नजारा उनके इस छोटे से गेटअवे को और खास बना रहा है। तस्वीरों के साथ उनका मजेदार वैह्वश्नकृ'लड़कियां बस मस्ती करना चाहती हैं (पानी के पास)' भी खूब ध्यान खींच रहा है। एक तस्वीर में अलाया ब्लैक आउटफिट और लॉन्ग बूट्स में बोट पर बैठी पोज देती नजर आती हैं। वहीं दूसरी तस्वीर में स्ट्राइप्ड शर्ट, शॉर्ट्स और सनग्लासेस में वह पानी किनारे रिलैक्स करती दिखाई दे रही हैं।

अल्लू अर्जुन की 'राका' ने रचा इतिहास, गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज हुआ नाम

अल्लू अर्जुन ने एक बार फिर भारतीय सिनेमा के लिए बड़ी उपलब्धि हासिल की है। 'पुष्पा' फ्रैंचाइजी की जबरदस्त सफलता के बाद अब उनकी अपकमिंग फिल्म 'राका' ने गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में अपनी जगह बना ली है। फिल्म की इस उपलब्धि के साथ अल्लू अर्जुन का इंडियन सिनेमा को ग्लोबल लेवल तक पहुंचाने का विजन भी एक कदम और आगे बढ़ गया है। अल्लू अर्जुन आज देश के सबसे बड़े पैन–इंडिया सुपरस्टार्स में गिने जाते हैं। 'पुष्पा' फ्रैंचाइजी ने उन्हें देश ही नहीं, बल्कि दुनियाभर में एक अलग पहचान दिलाई है। अब 'राका' के गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में शामिल होने के साथ उनके करियर में एक और बड़ा मुकाम जुड़ गया है। इस खास उपलब्धि का जश्न अल्लू अर्जुन ने अपने स्टाइलिश अंदाज में मनाया। एक्टर ने सोशल मीडिया पर अपनी एक तस्वीर शेयर की, जिसमें वह क्लासी ब्लैक बंदगला और मैचिंग ट्राउजर में नजर आए। तस्वीर के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, "इस खास मुकाम के लिए।

'राका' को मशहूर डायरेक्टर एटली निर्देशित कर रहे हैं। फिल्म को बड़े स्केल पर तैयार किया जा रहा है और इसके ऐलान के बाद से ही दर्शकों के बीच जबरदस्त एक्साइटमेंट देखने को मिल रही है। अब तक फिल्म से अल्लू अर्जुन का नया अवतार सामने आया है, जिसने सोशल मीडिया पर खूब चर्चा बटोरी है। 'राका' के अलावा अल्लू अर्जुन के पास कई बड़े प्रोजेक्ट्स हैं। वह लोकेश कनगराज के साथ मच अवेटेड '।।23' में नजर आएंगे। इसके अलावा उनकी सुपरहिट फ्रैंचाइजी 'पुष्पा 3रू द रैम्पेज' को लेकर भी फैंस काफी एक्साइटेड हैं। ऐसे में आने वाले समय में अल्लू अर्जुन बड़े पर्दे पर एक के बाद एक कई बड़े सिनेमाई अनुभव लेकर आने वाले हैं।

सिनेमा जगत में छाया मातम, राष्ट्रिय पुरस्कार विजेता सावित्री श्रीधरन ने दुनिया को कहा अलविदा

मलयालम फिल्म इंडस्ट्री से एक दुखद खबर सामने आई है। अपनी शानदार अदाकारी से खास पहचान बनाने वाली राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित दिग्गज अभिनेत्री सावित्री श्रीधरन का निध न हो गया है। उन्होंने 23 सितंबर को केरल के कोझिकोड में 83 वर्ष की उम्र में अंतिम सांस ली। बताया जा रहा है कि वह पिछले कुछ समय से उम्र संबंधी स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रही थीं। आपको बता दें कि सावित्री श्रीधरन को 2018 में रिलीज हुई चर्चित सुडानी फ्रॉम नाइजीरिया में निभाए गए उम्मा जानी जमीला के किरदार से देशभर में पहचान मिली थी। उनके अभिनय को दर्शकों और समीक्षकों ने खूब सराहा था। दिग्गज अभिनेत्री के निधन की खबर से मलयालम सिनेमा समेत पूरे फिल्म जगत में शोक की लहर है। मलयालम सिनेमा की दिग्गज अभिनेत्री सावित्री श्रीधरन का 83 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। बताया जा रहा है कि वह पिछले कुछ समय से उम्र संबंधी स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रही थीं। 23 सितंबर को केरल के कोझिकोड में उन्होंने आखिरी सांस ली। उनके निधन की खबर सामने आने के बाद फैंस के साथ–साथ पूरी दक्षिण भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में शोक का माहौल है। फिल्मी दुनिया में कदम रखने से पहले सावित्री श्रीधरन ने लंबे समय तक थिएटर में अभिनय किया और अपनी दमदार अदाकारी से अलग पहचान बनाई। साल 2018 में रिलीज हुई सौबिन शाहिर की चर्चित फिल्म 'सुडानी फ्रॉम नाइजीरिया' में उन्होंने 'जमीला' यानी 'उम्मा' का किरदार निभाया, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया। इस भूमिका के लिए उन्हें 66वें वर्षीय फिल्म पुरस्कारों में स्पेशल मेंशन से सम्मानित किया गया।

खाना बनाने से पहले ये 3 काम कर लें, आधा काम अपने आप आसान हो जाएगा

यह एक आसान हैक है, लेकिन आपके बेहद काम आ सकता है। अमूमन महिला लंच टाइम पर ही सोचती हैं कि आज क्या बनाया जाए। ऐसे में काफी समय सोचने में ही निकल जाता है और फिर उस खाने की तैयारी काफी समय ले लेती है। इसलिए रात को सोने से पहले ही प्लॉन कर लें कि कल तीनों मील में क्या बनेगा।

किचन में महिलाओं को सबसे ज्यादा समय खाना बनाने में नहीं, बल्कि उसकी तैयारी में लगता है। प्याज काटना, लहसुन छीलना, आटा गूंथना, मसाले ढूंढना और बर्तन बदलना जैसी चीजों में काफी समय निकल जाता है। इसलिए, अक्सर जब समय कम होता है या महिला थकी महसूस करती है तो बाहर से खान ऑर्डर कर लेती है। लेकिन अगर आप कुछ छोटे–छोटे टिप्स आजमाएं तो आपको ऐसा करने की जरूरत नहीं होगी।

अगर आप चाहती हैं कि रोज की रसोई थोड़ी जल्दी और कम भागदौड़ में निपटे, तो खाना बनाने से पहले ये 3 आसान लेकिन सच में काम आने वाले हैक्स आजमाकर देखें–

एक दिन पहले ही करें प्लॉन

यह एक आसान हैक है, लेकिन आपके बेहद काम आ सकता है। अमूमन महिला लंच टाइम पर ही सोचती हैं कि आज क्या बनाया जाए। ऐसे में काफी समय सोचने में ही निकल जाता है और फिर उस खाने की तैयारी काफी समय ले लेती है। इसलिए रात को सोने से पहले ही प्लॉन कर लें कि कल तीनों मील में क्या बनेगा। इससे आपका किचन में लगने वाला समय काफी कम हो जाता है। मसलन, कल आपको छोले बनाने हैं तो आप रात में ही उन्हें भिगो सकती हैं और सुबह उठते ही उसे उबालने रख दें। जब तक छोले उबलेंगे, तब तक आप बच्चों को तैयार कर सकती हैं या घर के बाकी काम कर सकती हैं।

मील प्रेप को दें प्राथमिकता

भारतीय घरो में मील प्रेप को बहुत अधिक प्राथमिकता नहीं दी जाती है। लेकिन यह एक ऐसा हैक है, जिसकी मदद से आप पूरे सप्ताह किचन में लगने वाले समय को बचा सकती हैं। अगर आप संडे में ही प्याज टमाटर की ग्रेवी बनाकर फ्रीजर में रख देती हैं तो आपको सप्ताह के बीच में बार–बार चॉपिंग में समय नहीं लगाना पड़ेगा और खाना भी बस पांच मिनट में बन जाएगा।

गैस पर एक चीज पक रही हो तो दूसरी तैयारी वहीं करें

कभी भी किचन में खाली खड़े होकर किसी चीज के पकने का इंतजार न करें। दाल कुकर में लगी है तो उसी दौरान सब्जी काट लें। चावल पक रहे हैं तो रोटी का आटा तैयार कर लें। सब्जी में मसाला भुन रहा है तो सलाद या रायते की तैयारी कर लें। बस ध्यान रखें कि गैस पर रखी चीज को छोड़कर ऐसा काम न करें जिसमें आपका ध्यान पूरी तरह दूसरी तरफ चला जाए। इससे एक ही समय में दो काम आगे बढ़ेंगे और खाना तैयार होने में कुल समय कम लगेगा।

क्या आप भी खाते हो अखबार में लिपटे समोसे और भेलपुरी, तो पहले जान लो इसके खतरे

सड़क किनारे बैठकर डीप–फ्राइड स्नैक्स से भरी एक ही पेपर प्लेट को दोस्तों के साथ शेयर करने और पकौड़ों व समोसों को चटनी से भरी प्लेट में डुबोकर खाने का मजा ही कुछ और है। पीढ़ियों से इसे स्नैक्स को पैक करने का एक सुविधाजनक, सस्ता और पर्यावरण के अनुकूल तरीका माना जाता रहा है। लेकिन बहुत से लोग यह नहीं जानते कि रोजाना की यह आदत उन्हें हानिकारक रसायनों और अशुद्धियों के संपर्क में ला सकती है, जिनका खाने में कोई स्थान नहीं होना चाहिए। हालांकि अखबार देखने में भले ही नुकसानदायक न लगे, लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि यह श्फूड–ग्रेडश पैकेजिंग नहीं है।

अखबार से लिपटे खाने के नुकसान

असल में, स्वास्थ्य अधिकारियों और वैज्ञानिक अध्ययनों ने बार–बार चेतावनी दी है कि खाने को लपेटने, परोसने या उससे तेल सोखने के लिए छपे हुए अखघ्बारों का इस्तेमाल करने से स्वास्थ्य संबंधी जोखिम हो सकते हैं, खासकर तब जब खाना गर्म, तैलीय या नमी वाला हो। सबसे बड़ी चिंता अखबारों में इस्तेमाल होने वाली प्रिंटिंग स्याही को लेकर है। खाने–पीने की चीजों के लिए सुरक्षित पैकेजिंग मटीरियल के उलट, अखबार की स्याही में पिगमेंट, सॉल्वेंट, रेजिन और दूसरे केमिकल कंपाउंड का जटिल मिश्रण होता है। इनमें से कुछ पदार्थ कागज से खाने की चीजों में जा सकते हैं, खासकर तब जब वे गर्मी या तेल के संपर्क में आते हैं। खाने में जा सकते हैं, खासकर सूखे और फैटी प्रोडक्ट्स में जिन्हें लंबे समय तक रखा जाता है।

गर्मी और तेल से समस्या और बढ़ जाती है

जब अखबार ताजे बने खाने के संपर्क में आते हैं, तो खतरा काफी बढ़ जाता है। गर्म समोसे, फ्राइज, भजिया, कटलेट और दूसरे तले हुए स्नैक्स में तेल होता है जो सॉल्वेंट का काम कर सकता है, जिससे अखबार की स्याही के केमिकल आसानी से खाने में मिल जाते हैं। करी या भाप में पके खाने की नमी का भी ऐसा ही असर हो सकता है। रिसर्चर्स ने पाया है कि ज्यादा तापमान पैकेजिंग मटीरियल से खाने में केमिकल के मिलने की रफ्तार को बढ़ा देता है। अगर स्याही की चिंता न भी हो, तो भी अखबारों में प्रिंटिंग, स्टोरेज, ट्रांसपोर्ट और हैंडलिंग के दौरान गंदगी या हानिकारक तत्व (कंटैमिनेंट्स) आ सकते हैं। ग्राहकों तक पहुंचने से पहले अखबार कई स्टेज से गुजरते हैं। इस दौरान वे धूल, गंदगी, बैक्टीरिया, फंगस और पर्यावरण के प्रदूषकों के संपर्क में आ सकते हैं। उन्हें कई लोग छूते भी हैं, जिससे माइक्रोबियल कंटैमिनेशन (सूक्ष्मजीवों से गंदगी) का खतरा बढ़ जाता है।

फूड एडिटिव्स एंड कंटैमिनेंट्स में छपी रिसर्च से पता चला है कि कुछ खास हालात में प्रिंटिंग इंक (स्याही) के केमिकल खाने में मिल सकते हैं। फैटी (चर्बी वाले) खाने की चीजों पर इसका असर ज्यादा होता है क्योंकि वे इन कंपाउंड्स को आसानी से सोख लेती हैं। अखबार की स्याही को खाने के संपर्क में आने के हिसाब से नहीं बनाया जाता है। स्याही और प्रिंटिंग के तरीके के आधार पर, इसमें मिनरल ऑयल, पिगमेंट, प्लास्टिसाइजर और दूसरे इंडस्ट्रियल केमिकल हो सकते हैं। कई स्टडीज में यह भी बताया गया है कि रीसायकल किए गए पेपर की पैकेजिंग से मिनरल ऑयल के अवशेष

रोज सुबह खाली पेट भीगे काले चने खाने से क्या होता है? डायटीशियन से जानें ले

सुबह के नाश्ते में कुछ लोग फल खाते हैं तो कुछ लोग दूध या पोहा पसंद करते हैं। वहीं, कई लोगों की शुरुआत रातभर भिगोए हुए काले चनों से होती है। काले चने स्वाद के साथ–साथ प्रोटीन, फाइबर, आयरन और कई जरूरी पोषक तत्वों से भी भरपूर होते हैं। लेकिन क्या रोजाना सुबह भीगे हुए काले चने खाना सभी के लिए फायदेमंद है? इस बारे में श्री बालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टीट्यूट, दिल्ली की चीफ डायटीशियन प्रिया पालीवाल ने जरूरी बातें बताई हैं।

पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं काले चने

डायटीशियन प्रिया पालीवाल के मुताबिक, काले चने प्रोटीन, फाइबर, आयरन, फोलेट और मैग्नीशियम जैसे कई जरूरी पोषक तत्वों का अच्छा स्रोत हैं। रातभर भिगोकर रखे हुए चनों को सुबह खाने से यह एक पौष्टिक नाश्ते का हिस्सा बन सकते हैं। इनमें मौजूद प्रोटीन और फाइबर पेट को लंबे समय तक भरा हुआ महसूस कराने में मदद कर सकते हैं। इसी वजह से वजन कम करने की कोशिश कर रहे लोग भी इन्हें अपनी डाइट में शामिल करते हैं। हालांकि, सिर्फ चने खाने से वजन कम नहीं होता। इसके लिए पूरी डाइट और रोजाना की शारीरिक गतिविधि भी मायने रखती है।

पाचन के लिए भी हो सकते हैं फायदेमंद

काले चनों में अच्छी मात्रा में फाइबर होता है, जो पाचन तंत्र के लिए जरूरी है। पर्याप्त फाइबर लेने से कब्ज की समस्या को कम करने में मदद मिल सकती है। हालांकि, हर किसी का पाचन तंत्र एक जैसा नहीं होता। कुछ लोगों को चने खाने के बाद गैस, पेट फूलने या अपच की शिकायत हो सकती है। ऐसे लोगों को शुरुआत में कम मात्रा लेनी चाहिए और शरीर की प्रतिक्रिया देखकर मात्रा बढ़ानी चाहिए।

मसल्स के लिए भी जरूरी है प्रोटीन

काले चने में मौजूद प्रोटीन मांसपेशियों के रखरखाव और शरीर के सामान्य कामकाज के लिए जरूरी होता है। इसके अलावा इनमें आयरन भी पाया जाता है, जो शरीर के लिए महत्वपूर्ण पोषक तत्व है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि सिर्फ काले चने खाने से शरीर की प्रोटीन या आयरन की पूरी जरूरत पूरी हो जाएगी। सुबह चनों के साथ संतुलित नाश्ता लेना ज्यादा बेहतर रहता है, जिसमें दूसरे जरूरी पोषक तत्व भी शामिल हों।

चने खाने से पहले इन बातों का रखें ध्यान

भीगे हुए चने खाने से पहले उन्हें अच्छी तरह धोना जरूरी है। उन्हें पर्याप्त समय तक पानी में भिगोएं ताकि वे अच्छी तरह फूल जाएं। अगर चने खाने से आपको बार–बार गैस, पेट दर्द, पेट फूलना या दूसरी पाचन संबंधी परेशानी होती है, तो इन्हें ज्यादा मात्रा में खाने से बचें। अगर आपको पहले से कोई बीमारी है, पाचन संबंधी समस्या है या आप किसी चिकित्सकीय डाइट पर हैं, तो रोजाना ज्यादा मात्रा में काले चने खाने से पहले डॉक्टर या डायटीशियन की सलाह लेना बेहतर है। कुल मिलाकर, भीगे हुए काले चने सुबह के नाश्ते का पौष्टिक हिस्सा हो सकते हैं। इनमें प्रोटीन और फाइबर समेत कई जरूरी पोषक तत्व पाए जाते हैं, लेकिन इन्हें अपनी पूरी डाइट का विकल्प नहीं समझना चाहिए। सही मात्रा और संतुलित खान–पान के साथ ही इनका फायदा बेहतर तरीके से मिल सकता है।

गुड़हल से घर पर बनाएं नेचुरल हेयर कंडीशनर, रूखे बालों को मिलेगी सैलून जैसी चमक

गुड़हल के फूल–पत्तियों, भीगी मेथी और अलसी के बीजों से घर पर ही नेचुरल हेयर कंडीशनर बनाया जा सकता है।

गुड़हल में मौजूद अमीनो एसिड बालों को पोषण देने के साथ केराटिन बढ़ाते हैं और हेयर फॉल कम करते हैं। इस पेस्ट को बालों में आधे घंटे लगाकर धोने से बाल बिना केमिकल के मुलायम और चमकदार बनते हैं।

ज्यादातर लोग अपने बालों की केयर को लेकर क्या–क्या नहीं करते हैं। महिलाएं बालों की केयर के लिए कुछ ज्यादा ही फ्रिक मंद रहती है। अब आपको महंगे कंडीशनर और केमिकल वाले प्रोडक्ट्स को अलविदा कह सकते हैं, क्योंकि बालों की देखभाल के लिए आपको घर में लगे हुए गुड़हल के फूल ही काफी है।

गौतलब है कि गुड़हल के फूल से बना नेचुरल हेयर कंडीशनर आपके बालों को वो सॉफ्टनेस और शाइनी बना देगा। अब सॉफ्ट व शाइनी बालों के लिए पार्लर जाने की जरुरत नहीं है। अब इस तरीके से पा सकते हैं सैलून जैसे शाइनी हेयर्स।

क्यों है गुड़हल बालों के लिए वरदान?

गुड़हल को बालों के लिए काफी अच्छा माना जाता है। असल में इसके फूलों और पत्तियों में अमीनो एसिड माने जाते हैं जो कि बालों को पोषण प्रदान करता है, केराटिन को बढ़ाता है और हेयर फॉल को कम करता है।

कंडीशनर को कैसे बनाएं?

आपको बताते चलें कि, इस देसी कंडीशनर की सबसे बड़ी खासियत है कि इसे बनाने के लिए कोई मिलावटी या महंगी चीज नहीं लगती है। अब आपको बस 3 चीजें चाहिए–

– 8–10 गुड़हल के ताजे फूल और पत्तियां
– मेथी के बीज 1 बड़ा चम्मच, रातभर भिगोए हुए
– अलसी के बीज 1 बड़ा चम्मच

इसे बनाने का आसान तरीका

– सबसे पहले आप रातभर भिगोई हुई मेथी और अलसी के साथ गुड़हल के फूल और पत्तियों को मिक्सर में डालें। अब थोड़ा पानी डालकर इसे एकदम स्मूथ और गाढ़ा पेस्ट बना लें।

– इस पेस्ट को अपने पूरे बालों और स्कैल्प पर अच्छे से लगाएं। जब आप इसे लगाएं, तो बालों की जड़ों से लेकर सिरों तक कवर करें। इसके बाद 30 मिनट तक छोड़ दें, ताकि आपके बालों को अच्छे से पोषक तत्व मिलें।

– 30 मिनट बाद किसी सल्फेट–फ्री शैंपू से बालों को धो लें। ऐसा करने के बाद आपको पहली बार में ही फर्क नजर आएगा।

जाने इसके फायदे

– जैसा कि यह एकदम नेचुरल पैक आपके बालों को केमिकल के बिना ही मुलायम, सॉफ्ट सिल्की और शाइनी बनाता है।

– इससे बाल उलझते नहीं हैं, बस टूटते कम हैं।

– आपके बालों को नेचुरल कंडीशनिंग मिलती है। इसका इस्तेमाल हफ्ते में एक बार जरुर करें।

संक्षिप्त

बैंक हड़ताल से पहले RBI का बड़ा कदम, 27 सितंबर रविवार को खुलेंगी सभी शाखाएं

वित्त मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि बैंक कर्मचारी संगठनों के संयुक्त मंच यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) की प्रस्तावित हड़ताल को देखते हुए ग्राहकों की सुविधा के लिए रविवार 27 सितंबर को क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक समेत सभी बैंक खुले रहेंगे। यूएफबीयू ने 28 से 30 सितंबर तक तीन दिन की देशव्यापी हड़ताल का आह्वान किया है। उसकी प्रमुख मांगों में बैंकों में सप्ताह में पांच दिन का कार्यदिवस लागू करना शामिल है। संगठन का दावा है कि वह बैंक क्षेत्र के करीब 90 प्रतिशत कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करता है। मंत्रालय ने बयान में कहा कि 28 से 30 सितंबर तक प्रस्तावित तीन दिन की हड़ताल और इससे पहले 26 तथा 27 सितंबर को शनिवार और रविवार की छुट्टियों को देखते हुए सरकार ने ग्राहकों को बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए कदम उठाए हैं। बयान में कहा गया, ''जनता की बैंक जरूरतें लंबे समय तक प्रभावित न हों, यह सुनिश्चित करने के लिए सभी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक 27 सितंबर, 2026 को रविवार के दिन सामान्य रूप से काम करेंगे।'' भारतीय रिजर्व बैंक ने सभी बैंक शाखाओं, कार्यालयों, एटीएम से जुड़ी शाखाओं और 'करेंसी चेस्ट' को 27 सितंबर को पूरी तरह परिचालन में रखने की मंजूरी दे दी है। वित्त मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले वित्तीय सेवा विभाग ने कहा कि बैंक ग्राहकों की सुविधा और कल्याण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सरकार और बैंक प्रबंधन ने बैंक कर्मचारी संगठनों से प्रस्तावित हड़ताल टालने की अपील की है। साथ ही आवश्यक बैंकिंग सेवाएं निर्बाध रूप से जारी रखने के लिए कदम उठाए गए हैं। यूएफबीयू की अन्य मांगों में पेंशन में संशोधन एवं सुधार, सभी पेंशनधारकों के लिए महंगाई भत्ते की समान व्यवस्था तथा राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) के दायरे में आने वाले कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना में जाने का विकल्प देना शामिल है। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने ग्राहकों को सलाह दी है कि यदि हड़ताल होती है तो वे मोबाइल बैंकिंग, एटीएम, इंटरनेट बैंकिंग, बैंक प्रतिनिधि केंद्र और यूपीआई जैसी डिजिटल सेवाओं का उपयोग करें।

OECD ने भारत की GDP वृद्धि का अनुमान बढ़ाकर 7.1 प्रतिशत किया

आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन (ओईसीडी) ने मजबूत घरेलू मांग और सरकारी नीतियों को देखते हुए वित्त वर्ष 2026–27 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान 0.80 प्रतिशत अंक बढ़ाकर 7.1 प्रतिशत कर दिया है। इसके पहले जून में ओईसीडी ने चालू वित्त वर्ष में भारत की वृद्धि दर 6.3 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया था। पेरिस स्थित ओईसीडी ने बुधवार को जारी अपने अंतरिम आर्थिक परिदृश्य में कहा कि जी20 में शामिल भारत जैसी कई उभरती अर्थव्यवस्थाओं में वृद्धि मजबूत घरेलू मांग और सरकार की उन नीतियों से समर्थित रही, जिन्होंने ऊंची ऊर्जा कीमतों के असर से परिवारों और कंपनियों को राहत दी। हालांकि, संगठन ने कहा कि हालिया मजबूत आर्थिक गतिविधियों के बावजूद कम क्रय शक्ति होने से इस साल की दूसरी छमाही में भारत की वृद्धि प्रभावित होने की आशंका है। इसके बाद 2027 में धीरे–धीरे सुधार होने का अनुमान है। ओईसीडी ने कहा, ''भारत की आर्थिक वृद्धि वित्त वर्ष 2025–26 के 7.8 प्रतिशत से घटकर 2026–27 में 7.1 प्रतिशत और 2027–28 में 6.5 प्रतिशत रह सकती है।'' भारत के लिए ओईसीडी का 7.1 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान प्रमुख अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों में सबसे अधिक है। एशियाई विकास बैंक (एडीबी), एसएंडपी और मूडीज ने 2026–27 में भारत की वृद्धि सात प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। वहीं, फिच रेटिंग्स ने 6.9 प्रतिशत और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने 6.7 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान लगाया है। इसके साथ ही, ओईसीडी ने कहा कि उभरती अर्थव्यवस्थाओं में भारत महंगाई के बढ़ते दबाव को कम करने के लिए अस्थायी रूप से नीतिगत दर बढ़ा सकता है। उसने कहा कि भारत में सरकार के मूल्य समर्थन उपायों से ऊर्जा कीमतों का दबाव कम हो रहा है और निकट अवधि में भी ऐसा होने की उम्मीद है। ओईसीडी ने 2026 में भारत की औसत मुद्रास्फीति 4.7 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। संगठन ने कहा कि आपूर्ति पक्ष में आने वाले व्यवधानों से निपटने की अर्थव्यवस्थाओं की क्षमता बढ़ाने वाले संरचनात्मक नीतिगत सुधार मौजूदा समय में सरकारों की प्रमुख प्राथमिकताओं में होने चाहिए। ओईसीडी ने कहा कि वैश्विक आर्थिक परिदृश्य इस बात पर काफी निर्भर करेगा कि पश्चिम एशिया संघर्ष का स्थायी समाधान हो पाता है या नहीं।

फिच रेटिंग्स ने भारत का GDP वृद्धि अनुमान बढ़ाकर 6.9 प्रतिशत किया

फिच रेटिंग्स ने बुधवार को चालू वित्त वर्ष के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि का अनुमान 6.4 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.9 प्रतिशत कर दिया। रेटिंग एजेंसी ने अप्रैल– जून तिमाही में मजबूत आर्थिक वृद्धि और अर्थव्यवस्था की समग्र मजबूती का हवाला दिया। फिच के अनुसार, शेष वित्त वर्ष में भारत की आर्थिक वृद्धि की गति धीमी पड़ने की संभावना है। इसके कारण भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) अक्टूबर की मौद्रिक नीति बैठक में ब्याज दर में 0.25 प्रतिशत की बढ़ोतरी कर सकता है। फिच ने कहा कि अप्रैल–जून तिमाही में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है कि ''2026 की पहली छमाही में व्यापार शर्तों में आई बड़ी गिरावट के बावजूद अमेरिकी–ईरान युद्ध से लगे झटके के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था ने मजबूती दिखाई है।'' उसने कहा कि क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) सर्वेक्षण के आंकड़े विनिर्माण और सेवा दोनों क्षेत्रों में विस्तार की रफ्तार धीमी होने का संकेत देते हैं। सामान्य से कम मानसूनी बारिश का असर कृषि और ग्रामीण मांग की वृद्धि पर पड़ेगा, जबकि बढ़ती मुद्रास्फीति से वास्तविक आय और उपभोक्ता गतिविधियां प्रभावित होंगी। फिच ने कहा, ''निजी निवेश की संभावनाएं अधिक मजबूत दिख रही हैं और हमें उम्मीद है कि निवेश में 10 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि होगी। गैर–खाद्य ऋण की वृद्धि जुलाई में सालाना आधार पर 19 प्रतिशत रही।'' फिच ने कहा कि कुल जीडीपी वृद्धि 6.9 प्रतिशत रहेगी, जो जून में लगाए गए 6.4 प्रतिशत के अनुमान से अधिक है।

पहला वनडे: इंग्लैंड ने श्रीलंका को 89 रन से रौंदा, कप्तान ब्रूक और विल जैक्स ने दिखाया दम

हैरी ब्रूक के 67 रन और विल जैक्स के पांच विकेट के दम पर इंग्लैंड ने पहले वनडे में श्रीलंका को 89 रन से हराया। इंग्लैंड ने 265 रन बनाए, जबकि श्रीलंकाई टीम 176 रन पर सिमट गई। जैक्स ने गेंद के साथ बल्ले से भी 46 रन की नाबाद पारी खेली।

लंदन। इंग्लैंड ने श्रीलंका के खिलाफ पहले वनडे में 89 रन से जीत दर्ज की। कप्तान हैरी ब्रूक के 67 रन और पार्ट–टाइम स्पिनर विल जैक्स के पांच विकेट की बदौलत इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 265 रन बनाए। जवाब में श्रीलंका की टीम धीमी और नीची पिच पर 176 रन पर ऑलआउट हो गई। यह जीत इंग्लैंड की श्रीलंका के खिलाफ सफेद गेंद के क्रिकेट में मजबूत पकड़ को आगे बढ़ाती है। दोनों टीमों के बीच पिछले सप्ताह खेली गई टी20 सीरीज में इंग्लैंड ने 3–0 से जीत हासिल की थी।

ब्रूक ने जड़ा अर्धशतक, जैक्स का बल्ले से भी योगदान

इंग्लैंड के लिए ब्रूक ने 67 रन की पारी खेली। उनके अलावा जो रूट ने 44, बेन डकेट ने 32 और जोस बटलर ने 31 रन बनाए। पारी के अंतिम हिस्से में जैक्स ने 46 रन की नाबाद पारी खेलकर इंग्लैंड के स्कोर को 265 रन तक पहुंचाने में अहम योगदान दिया। जैक्स ने अपनी पारी में लगातार चार चौके भी लगाए। हालांकि, इंग्लैंड की टीम पूरे 50 ओवर नहीं खेल सकी और 11 गेंद बाकी रहते ऑलआउट हो गई।

डेब्यू पर कोलंबागे ने छोड़ी छाप

श्रीलंका के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू करने वाले लेग स्पिनर सचिंदु कोलंबागे ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 44 रन देकर तीन विकेट लिए और जो रूट तथा जोस बटलर जैसे अहम बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा। 28 वर्षीय

कोलंबागे ने रूट को बोल्ड किया। रूट अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 23 हजार रन पूरे करने वाले आठवें बल्लेबाज बने। इसके बाद कोलंबागे ने बटलर को एलबीडब्ल्यू आउट किया।

जैक्स ने गेंद से भी मचाई तबाही

176 रन के स्कोर पर श्रीलंका की पारी समेटने में जैक्स की बड़ी भूमिका रही। उन्होंने 22 रन देकर पांच विकेट लिए। धीमी और नीची पिच पर श्रीलंकाई बल्लेबाज इंग्लैंड के गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सके। इंग्लैंड इस मुकाबले में आदिल राशिद के बिना उतरा। गेंदबाजी वाले हाथ में चोट के कारण वह पूरी सीरीज से बाहर हो गए हैं।

बेंटन को मिली ओपनिंग की जिम्मेदारी

जैकब बेथेल की गैरमौजूदगी में टॉम बेंटन ने पारी की शुरुआत की। यह छह साल में उनका सिर्फ दूसरा वनडे मुकाबला था। हालांकि, वह केवल 10 रन बना सके।

मार्क वुड ने इंटरनेशनल क्रिकेट को कहा अलविदा, इंग्लैंड के लिए 146 मैचों में लिए 253 विकेट

इंग्लैंड के बेहतरीन तेज़ गेंदबाज़ मार्क वुड ने इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायरमेंट का फ़ैसला किया है। 36 साल के वुड को लंबे समय तक चोटों से जूझना पड़ा, जिसके कारण आख़िरकार 146 मैचों में 253 विकेट लेने के बाद उनका करियर खत्म हो गया। उन्होंने 30.79 की औसत से 119 विकेट लेकर अपना टेस्ट करियर खत्म किया। उन्होंने 2015 में एशेज़ जीती और व्हाइट–बॉल क्रिकेट में, वुड उस टीम का हिस्सा थे जिसने 2019 वनडे वर्ल्ड कप और 2022 ज20 वर्ल्ड कप जीता था। उन्होंने मंगलवार सुबह डरहम के रिवरसाइड में श्रीलंका के ख़िलाफ़ इंग्लैंड के वनडे इंटरनेशनल मैच से पहले अपने रिटायरमेंट का ऐलान किया। इस फ़ैसले के पीछे की वजह बताते हुए वुड ने कहा कि उनका तीन साल का सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट खत्म होने वाला है और मेडिकल सलाह के मुताबिक अब लंबे

फ़ॉर्मेट में खेलना मुमकिन नहीं है। फ़िलहाल, उनका इरादा डरहम के लिए घरेलू टी 20 क्रिकेट और फ़्रैंचाइज़ी लीग खेलने के साथ–साथ ब्रॉडकास्टिंग और कोचिंग करने का है। अपने विदाई भाषण में वुड ने यह भी कहा कि उन्हें इंग्लैंड के लिए खेले हुए काफी समय हो गया है और उन्हें लगता है कि इंटरनेशनल क्रिकेट में मुकाबला करने के लिए उसी लेवल पर वापस आना उनके लिए मुश्किल होगा। वुड ने कहा कि नवंबर में पर्थ में खेले गए मेरे आखिरी मैच के बाद से काफी समय बीत चुका है, यानी डेढ़ साल हो गए हैं। इस दौरान मैं बस यही सोचता रहा कि देखो, मैं अब कभी इस लेवल पर वापस नहीं आ पाऊंगा। उन्होंने आगे कहा कि मेरा कॉन्ट्रैक्ट सितंबर में खत्म हो रहा है और मुझे लगता है कि यही सही समय है। मैं कभी भी इंग्लैंड के लिए खेलना नहीं छोड़ना चाहता था, लेकिन जो नए खिलाड़ी आ रहे हैं, वे बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। अब खबरें उन खिलाड़ियों के बारे में होनी चाहिए जिन्हें कॉन्ट्रैक्ट मिलने वाला है, और मैं दूसरी चीज़ों पर ध्यान दे सकता हूं। वुड 2015 में इंग्लैंड की टीम में शामिल हुए। अपने पूरे जोश वाले अंदाज़ की वजह से वे तुरंत ही फ़ैन्स के पसंदीदा बन गए और उसी गर्मी में ट्रेंट ब्रिज पर नाथन लियोन को आउट करके एशेज़ सीरीज़ में जीत पक्की की।

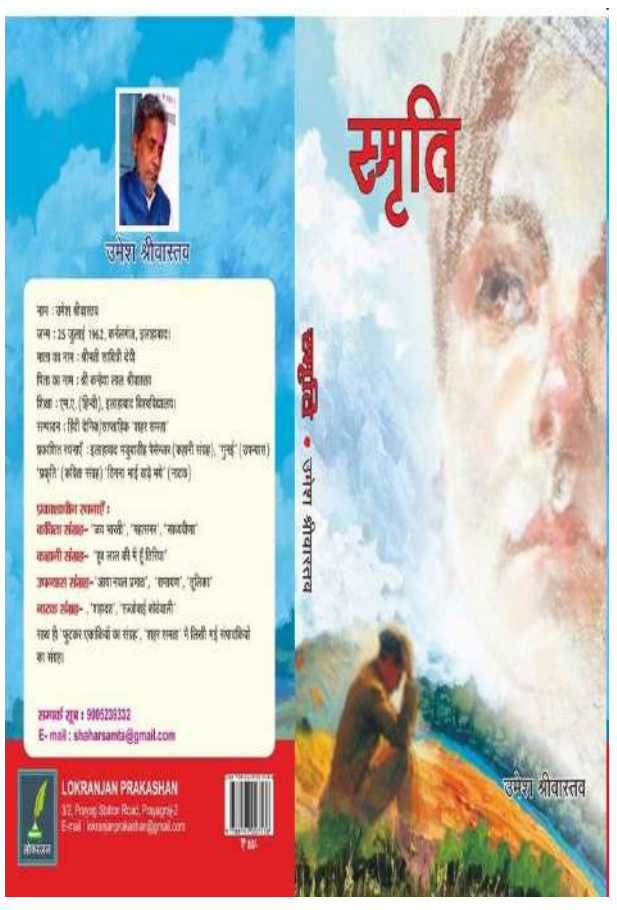

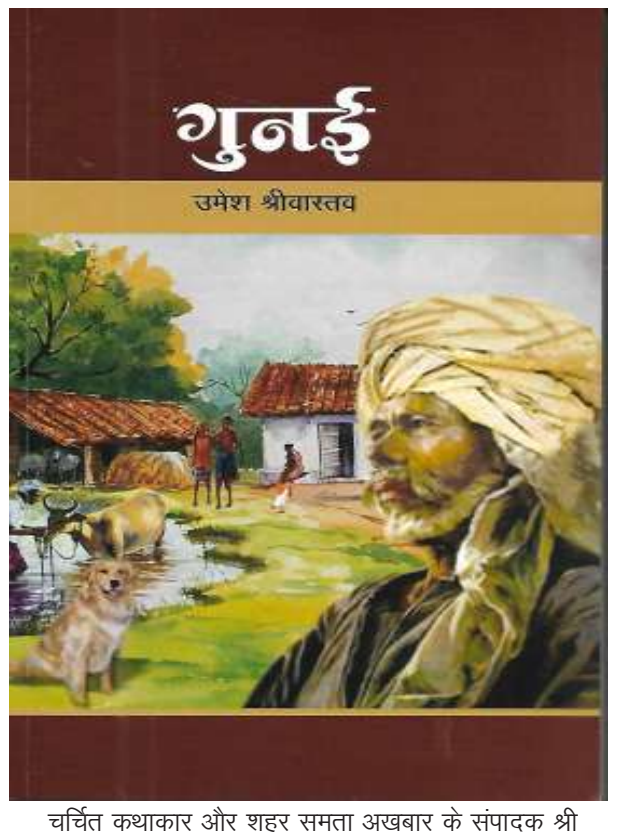

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

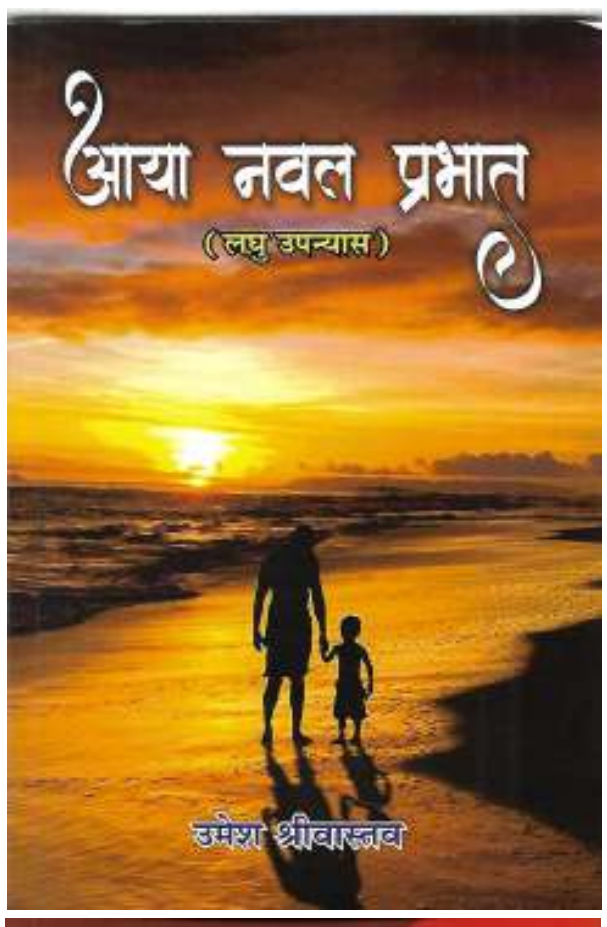

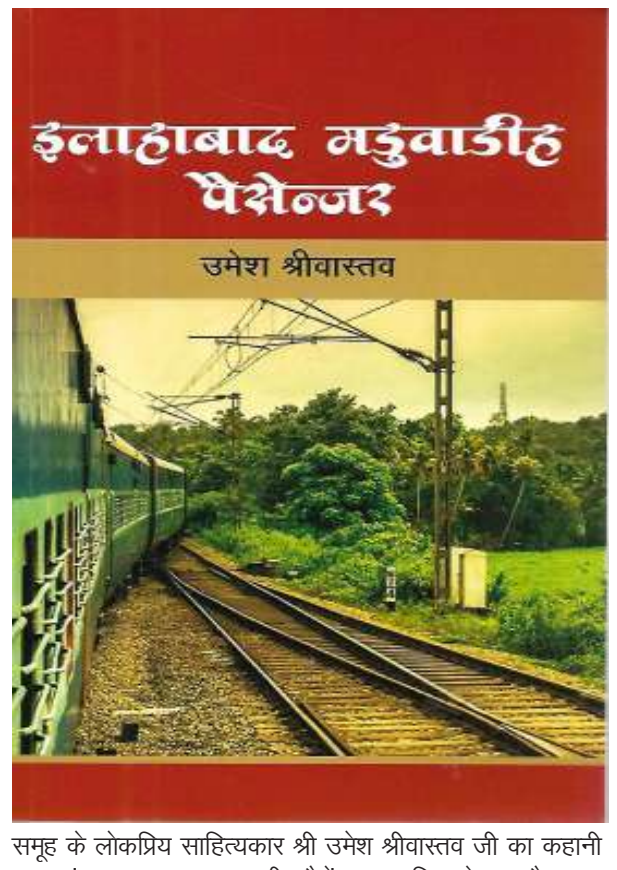

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

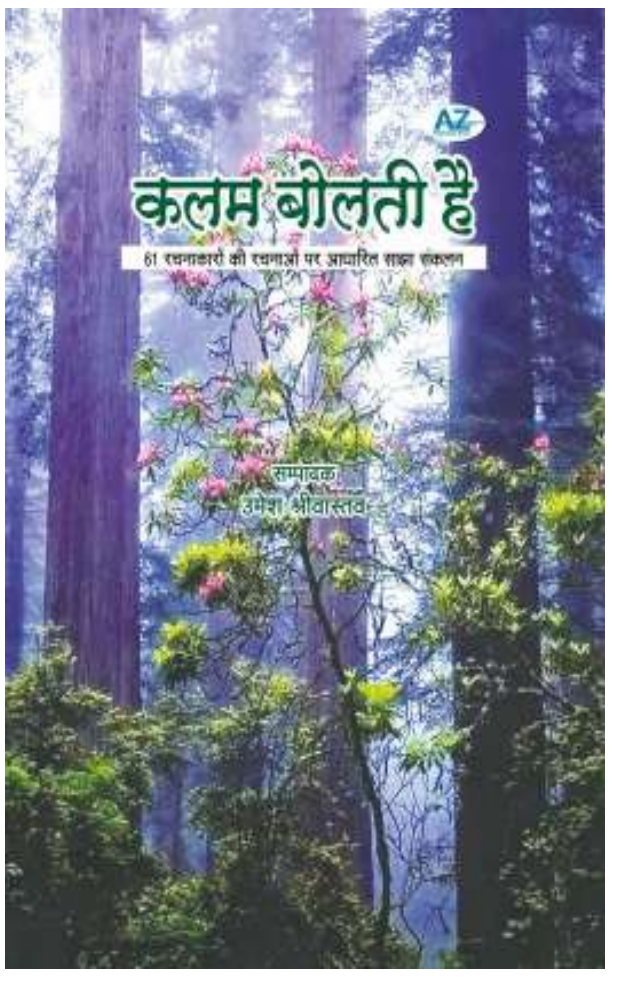

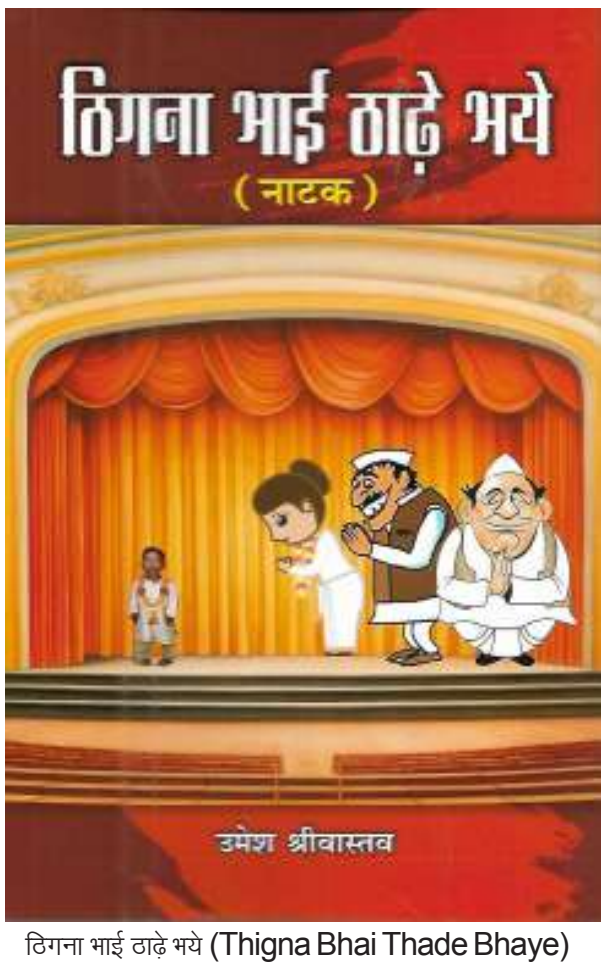

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

ट्रंप प्रशासन के अभियान में 1600 फर्जी वोटर केस पकड़े गए, 160 गिरफ्तार

अमेरिका में राज्य स्तर की मतदाता सूचियों में अवैध रूप से दर्ज गैर–नागरिकों का पता लगाने और उनके खिलाफ कार्रवाई के लिए ट्रंप प्रशासन के व्यापक अभियान में करीब 1,600 मतदाता धोखाधड़ी के मामले सामने आए हैं और 160 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। 'होमलैंड सिक्योरिटी इन्वेस्टिगेशंस' के वरिष्ठ अधिकारी मैथ्यू मिलहोलिन ने मंगलवार को यह जानकारी दी। चुनाव से करीब छह सप्ताह पहले जारी ये आंकड़े ऐसे अभियान की स्थिति पर जानकारी देते हैं, जिसके तहत राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निर्देश पर चुनावों में कथित गड़बड़ियों की जांच के लिए संघीय संसाधनों और सैकड़ों कर्मचारियों को लगाया गया है। हालांकि, ये आंकड़े ट्रंप और गृह सुरक्षा विभाग द्वारा पहले बताए गए उन लाखों गैर–नागरिक मतदाताओं की संख्या से काफी कम हैं, जिनके मतदाता सूचियों में दर्ज होने का दावा किया गया था। अमेरिका में 21.1 करोड़ से अधिक सक्रिय पंजीकृत मतदाताओं की तुलना में भी ये मामले बेहद कम हैं। पूर्व चुनाव अधिकारियों और चुनाव कानून विशेषज्ञों के अनुसार, गैर–नागरिकों का मतदान समेत मतदाता धोखाधड़ी दुर्लभ है। मिलहोलिन ने न्याय विभाग और अमेरिकी डाक सेवा के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में ये आंकड़े साझा किए। कार्यवाहक उप अटॉर्नी जनरल ट्रेंट मैककॉट्टर ने बताया कि प्रशासन के सत्ता में आने के बाद से न्याय विभाग ने अवैध मतदान और पंजीकरण संबंधी अपराधों में 70 लोगों के खिलाफ आरोप लगाए हैं। हालांकि, दोनों अधिकारियों ने यह स्पष्ट नहीं किया कि दोनों आंकड़ों में कोई समान मामले शामिल हैं या नहीं। नवंबर में होने वाले मध्यावधि चुनावों से पहले ट्रंप प्रशासन ने गैर–नागरिक मतदान पर रोक लगाने के लिए कई कदम उठाए हैं। इस मुद्दे से जुड़े उसके दो कार्यकारी आदेश कानूनी चुनौतियों का सामना कर रहे हैं।

अमेरिका में 17500 श्वेत दक्षिण अफ्रीकी शरणार्थियों को पनाह देने की तैयारी

अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने देश में स्वीकार किए जाने वाले शरणार्थियों की संख्या 17,500 तक सीमित करने की योजना बनाई है और इनमें अधिकतर दक्षिण अफ्रीका के श्वेत नागरिक होंगे। प्रशासन ने मंगलवार को कांग्रेस को इसकी जानकारी दी। इस कदम से उस शरणार्थी कार्यक्रम का स्वरूप और अधिक बदल जाएगा, जो कभी दुनिया भर में युद्ध और संघर्ष से भागने वाले लोगों के लिए अमेरिका में सुरक्षित पनाह का रास्ता माना जाता था। कांग्रेस को भेजे नोटिस में प्रशासन ने कहा कि श्वेत दक्षिण अफ्रीकी नागरिकों

को उनकी जमीन जब्त किए जाने और अन्य प्रकार के उत्पीड़न का सामना करना पड़ा है तथा अमेरिका आने पर उनके आसानी से यहां की मुख्यधारा में शामिल होने की संभावना है। हालांकि, दक्षिण अफ्रीकी सरकार बार–बार इस दावे को खारिज करती रही है कि 'अफ्रीकानर्स' देश में उत्पीड़ित अल्पसंख्यक हैं। अफ्रीकानर्स मुख्य रूप से डच और फ्रांसीसी उपनिवेशवादियों के वंशज हैं और दक्षिण अफ्रीका में रंगभेद व्यवस्था के दौरान उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही थी। रंगभेद 1948 से 1994 तक चला। ट्रंप प्रशासन ने शरणार्थियों के पुनर्वास के लिए करीब 50 करोड़ डॉलर खर्च करने की योजना भी बताई है। शरणार्थियों के पुनर्वास के लिए लंबे समय से काम कर रहे संगठनों ने कार्यक्रम को एक बार फिर मुख्य रूप से श्वेत दक्षिण अफ्रीकियों तक सीमित करने की आलोचना की है। उल्लेखनीय है कि अमेरिका में राष्ट्रपति हर साल तय करते हैं कि कितने शरणार्थियों को देश में प्रवेश दिया जाएगा। 1980 में शुरू हुए इस कार्यक्रम के तहत औसतन 92,000 लोग हर साल अमेरिका आए हैं। ट्रंप प्रशासन ने पिछले साल शुरुआत में यह सीमा 7,500 तय की थी, जिसे बाद में बढ़ाकर 17,500 कर दिया गया था। वहीं, पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन ने अपने अंतिम वर्ष में 1,25,000 शरणार्थियों को स्वीकार करने का लक्ष्य रखा था।

ईस्टर आत्मघाती हमलाः मामले में 15 दोषियों को 220–220 साल की बामशक्कत कैद

श्रीलंका की एक अदालत ने 2019 के ईस्टर आत्मघाती हमला मामले में मंगलवार को 24 आरोपियों में से 15 को दोषी ठहराते हुए प्रत्येक दोषी को 200 साल से अधिक के कारावास की सजा सुनाई। आईएसआईएस से जुड़े स्थानीय इस्लामी चरमपंथी संगठन नेशनल तौहीद जमात (एनटीजे) से जुड़े नौ आत्मघाती हमलावरों ने 21 अप्रैल, 2019 को तीन कैथोलिक गिरजाघरों और तीन आलीशान होटलों को निशाना बनाकर सिलसिलेवार विस्फोट किए थे। इन हमलों में 11 भारतीयों समेत 270 लोगों की मौत हुई थी और 500 से अधिक लोग घायल हुए थे। 'अदादेराना' समाचार पोर्टल की खबर के अनुसार, कोलंबो उच्च न्यायालय की एक पीठ ने सभी 15 दोषियों को 220–220 साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। न्यायमूर्ति नवरत्ने मारासिंघे, न्यायमूर्ति रामनाथन कन्नन और न्यायमूर्ति सुजीवा निसांका की तीन सदस्यीय पीठ ने मंगलवार को फैसला सुनाते हुए 15 आरोपियों को दोषी करार दिया, जबकि नौ अन्य को बरी कर दिया। इस मामले की करीब पांच साल तक चली सुनवाई के बाद अदालत ने मुख्य आरोपी नौफर मौलवी को भी दोषी ठहराया।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर.9190052 39332
.919450482227

दिसंबर में अमेरिका जाएंगे प्रधानमंत्री मोदी

Florida G20 Summit में डोनाल्ड ट्रंप से द्विपक्षीय वार्ता संभव, क्वाड नेताओं की भी हो सकती है बैठक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस साल दिसंबर में अमेरिका यात्रा पर जाने की मजबूत संभावना है। सूत्रों के अनुसार, च्ड मोदी फ्लोरिडा के मियामी में आयोजित होने जा रहे ळ20 नेताओं के शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। इस समिट की मेजबानी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप करेंगे। अगर प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्रा तय होती है, तो जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप के साथ उनकी एक अहम द्विपक्षीय बैठक भी होगी। यह सम्मेलन 14 से 15 दिसंबर तक फ्लोरिडा स्थित ट्रंप नेशनल डोरल मियामी रिज़ॉर्ट में आयोजित किया जा रहा है। सरकार ने अभी तक इस यात्रा के बारे में कोई औपचारिक घोषणा नहीं की है, क्योंकि आमतौर पर ऐसी घोषणाएं यात्रा की तारीख के करीब ही की जाती हैं। मोदी और ट्रंप के

बीच ऐसी बैठक की संभावना ऐसे समय में बनी है जब भारत और अमेरिका के बीच व्यापार और द्विपक्षीय सहयोग के अन्य क्षेत्रों में बातचीत चल रही है। रूस से तेल खरीदने के कारण भारतीय आयात पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी के मद्देनजर इस बैठक का महत्व और बढ़ जाता है। भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने हाल ही में इंडिया टुडे टीवी से बात करते हुए संकेत दिया था कि समिट के दौरान ट्रंप जिन नेताओं से मिलना चाहेंगे, उनमें च्ड मोदी प्राथमिकता वाले नेताओं में शामिल होंगे। उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय प्रधानमंत्री की यात्रा में जी20 बैठक में भाग लेने के अलावा और भी बहुत कुछ शामिल हो सकता है। पीएम मोदी और ट्रंप की पिछली मुलाकात जून में फ्रांस के एवियन में ळ7 समिट के दौरान हुई थी। दोनों नेताओं ने व्यापार, रक्षा, ऊर्जा और प्रौद्योगिकी सहित भारत–अमेरिका सहयोग में हुई प्रगति की समीक्षा की थी और एक अंतरिम द्विपक्षीय व्यापार समझौते के लिए बातचीत पर चर्चा की थी। हाल के महीनों में भारत–अमेरिका संबंधों में लगातार उच्च–स्तरीय बातचीत हुई है, जिसमें व्यापार, रक्षा, प्रौद्योगिकी, महत्वपूर्ण खनिज और ऊर्जा सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों के रूप में उभरे हैं। दोनों देश एक व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौते की दिशा में भी काम कर रहे हैं। अमेरिकी अधिकारियों ने कहा है कि द्विपक्षीय व्यापार वर्तमान में लगभग 240 बिलियन अमेरिकी डॉलर है और दोनों पक्षों ने आने वाले वर्षों में इसे 500 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य रखा है। जी20 बैठक के दौरान क्वाड नेताओं के संभावित समिट की भी तैयारी चल रही है, जिसमें भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के नेता एक साथ आएंगे। यह बैठक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, महत्वपूर्ण खनिजों, उभरती प्रौद्योगिकियों और आपदा राहत जैसे क्षेत्रों में क्वाड के सहयोग को मजबूत करने के नए प्रयासों के बीच हो रही है। कपचसवउंजपब सूत्रों के अनुसार, फ्लोरिडा की संभावित यात्रा के बाद, मोदी के कनाडा की द्विपक्षीय यात्रा पर जाने की भी संभावना है। रॉयटर्स ने कनाडा के व्यापार मंत्री के हवाले से बताया कि दिसंबर में होने वाले ळ20 शिखर सम्मेलन के दौरान पीएम मोदी और कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के बीच भी बैठक होने की उम्मीद है। भारत और कनाडा अभी कॉम्प्रिहेंसिव इकोनॉमिक पार्टनरशिप एग्रीमेंट के लिए बातचीत कर रहे हैं।

अमेरिका–ईरान तनाव के बीच न्यूयॉर्क पहुंचे पेजेशकियन, दुनिया के मंच पर रखेंगे अपना पक्ष

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन 81वीं संयुक्त राष्ट्र महासभा में शामिल होने के लिए न्यूयॉर्क पहुंच चुके हैं। वह दुनिया भर के बड़े नेताओं के सामने अपना भाषण देंगे। इस समय ईरान और अमेरिका के बीच चल रहे युद्ध पर पूरी दुनिया की नजरें टिकी हुई हैं, और यही मुद्दा इस बड़ी बैठक का सबसे अहम केंद्र बना हुआ है।

डोनाल्ड ट्रंप के सख्त बयान के ठीक एक दिन बाद पहुंचे

पेजेशकियन का यह दौरा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कड़े भाषण के ठीक एक दिन बाद हुआ है। ट्रंप ने संयुक्त राष्ट्र में दिए अपने भाषण में कहा था कि अमेरिका या तो अमेरिकी मध्यावधि चुनावों के बाद तेहरान के साथ कोई समझौता कर सकता है, या फिर इस्लामिक रिपब्लिक को पूरी तरह तबाह कर देगा।

ईरान मजबूती से रखेगा अपनी बात

पेजेशकियन अपने भाषण में इस युद्ध को लेकर ईरान का पक्ष पूरी दुनिया के सामने रखेंगे। तेहरान से न्यूयॉर्क रवाना होने से पहले उन्होंने कहा, ईरान अंतरराष्ट्रीय मंचों पर मजबूती से अपनी बात रखेगा और देश का संदेश दुनिया तक पहुंचाने के लिए इस मौके का पूरा इस्तेमाल करेगा।

पर्दे के पीछे बातचीत का दौर जारी

पेजेशकियन के दौरे के बीच दोनों देशों के बीच कूटनीतिक हलचल भी तेज हो गई है। अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने बताया कि मध्यस्थों के जरिए अमेरिका और ईरान की टीमों के बीच लंबी बातचीत हुई है। इस बातचीत ने पूरे दौरे के माहौल को और भी गरमा दिया है।

ट्रंप और जेलेंस्की की मुलाकात पर भी रही नजर

दूसरी तरफ, ट्रंप ने अपने भाषण में दुनिया के कई बड़े मुद्दों पर बात की। वहीं यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की के साथ उनकी मुलाकात ने रूस–यूक्रेन युद्ध पर सबका ध्यान खींच लिया। जेलेंस्की ने रूस के साथ ऊर्जा ठिकानों पर हमले रोकने की मांग की। साथ ही उन्होंने ट्रंप से अपील की कि वह चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ अपनी आने वाली बैठक में इस मुद्दे को उठाएं, ताकि चीन के जरिए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर दबाव बनाया जा सके।

लावारिस कार में मिली पति की 9 टुकड़ों में कटी लाश... पत्नी और बेटा रहस्यमय तरीके से लापता

यूएई में रह रहे भारतीय परिवार की खौफनाक कहानी

संयुक्त अरब अमीरात के शारजाह शहर से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जिसने भारत से लेकर खाड़ी देशों तक हड़कंप मचा दिया है। कर्नाटक के उडुपी जिले के रहने वाले एल्विन प्रकाश कुंदर की जुलाई महीने में हत्या कर दी गई और उनके शव के नौ टुकड़े कर दो अलग–अलग बैग में भरकर एक लावारिस कार में छोड़ दिया गया। इस खौफनाक हत्याकांड का खुलासा घटना के लगभग दो महीने बाद तब हुआ, जब भारत में मौजूद उनके परिवार ने प्रकाश के लगातार संपर्क में न होने पर खोजबीन शुरू की। मामले में सबसे बड़ा मोड़ यह है कि प्रकाश की हत्या के बाद से ही उनकी पत्नी टीना कुंदर और 10वीं कक्षा में पढ़ने वाला उनका बेटा रहस्यमय परिस्थितियों में लापता हैं। उनके भाई के अनुसार, शव को नौ टुकड़ों में काटकर दो बैगों में भरा गया था। खबरों के अनुसार, हो सकता है कि वे शारजाह छोड़कर भारत चले गए हों। हालांकि, उनके वर्तमान ठिकाने और हत्या से किसी भी संभावित संबंध की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है। प्रकाश लगभग 14 वर्षों से शारजाह हवाई अड्डे पर काम कर रहे थे और अपनी पत्नी तथा 10वीं कक्षा में पढ़ने वाले बेटे के साथ न्।म् में रह रहे थे। टीना, जो खुद भी उडुपी की रहने वाली हैं, एक स्कूल शिक्षिका के तौर पर काम करती थीं।

मिस्ड कॉल के बाद रहस्यमय संदेश

प्रकाश के भाई अनिल प्रशांत कुंदर ने बताया कि उन्होंने लगभग 20 जुलाई को उनसे संपर्क करने की कोशिश की थी। प्रकाश ने कॉल का जवाब नहीं दिया, लेकिन एक टेक्स्ट मैसेज भेजकर कहा कि वह ठीक हैं। परिवार को यह जवाब तुरंत असामान्य लगा क्योंकि प्रकाश आमतौर पर वॉयस मैसेज के ज़रिए बातचीत करते थे। जब अनिल ने लगभग एक हफ़्ते बाद दोबारा कॉल करने की कोशिश की, तब भी प्रकाश ने कोई जवाब नहीं दिया। अपने भाई को लेकर चिंतित अनिल ने शारजाह में प्रकाश के सहपाठी मनोहर से संपर्क किया और उनसे प्रकाश का हाल–चाल लेने को कहा। इसके बाद मनोहर उस फ़्लैट पर गए जो प्रकाश को उनकी कंपनी ने दिया था। चौकीदार ने उन्हें बताया कि प्रकाश भारत चले गए हैं। कंपनी के भ्त विभाग ने भी शुरू में परिवार को यही बताया कि वह भारत गए हैं। हालांकि, अनिल ने कंपनी को सूचित किया कि प्रकाश भारत नहीं लौटे हैं और उनसे प्रकाश के ठिकाने की पुष्टि करने का अनुरोध किया। बाद में पासपोर्ट की जांच से पता चला कि प्रकाश अभी भी शारजाह में ही थे। इसके बाद लापता व्यक्ति की शिकायत दर्ज कराई गई।

कार में मिला शव

खोजबीन के दौरान, प्रकाश का शव ओमान जाने वाले रास्ते पर खड़ी एक कार में मिला। अनिल के अनुसार, शव को नौ टुकड़ों में काटकर दो बैगों में रखा गया था। बाद में शव की पहचान प्रकाश के रूप में हुई। हत्या से जुड़ी परिस्थितियों की जांच चल रही है। शारजाह के अधिकारियों ने अभी तक संदिग्धों की पहचान या हत्या के मकसद के बारे में सार्वजनिक रूप से कोई जानकारी नहीं दी है।

हालांकि कुछ रिपोर्टों में हत्या में टीना की संभावित भूमिका पर भी शक जताया गया है, लेकिन यह अभी तक एक बिना पुष्टि वाला आरोप है और प्रकाश की मौत में उसकी भूमिका को साबित करने वाली कोई पक्की जानकारी नहीं है।

प्रकाश के परिवार का कहना है कि उन्हें इस जोड़े के बीच किसी भी विवाद की जानकारी नहीं थी। प्रकाश का शव मिलने के बाद, उनके भाई अनिल ने उडुपी के पुलिस अधीक्षक से मुलाकात की और मामले में मदद के लिए एक आवेदन सौंपा।

परिवार UAE में कानूनी प्रक्रिया पूरी होने का इंतजार कर रहा है ताकि प्रकाश का शव भारत लाया जा सके। उन्होंने शारजाह के अधिकारियों से हत्या की परिस्थितियों, शव मिलने और प्रकाश की पत्नी व बेटे के ठिकाने के बारे में भी और जानकारी मांगी है। उडुपी पुलिस शारजाह के अधिकारियों से आधिकारिक सूचना का इंतजार कर रही है।

अमेरिका देगा 3.1 करोड़ डॉलर की मदद, पुल निर्माण और राहत कार्य में मिलेगी सहायता

वाशिंगटन। अमेरिका ने बाढ़ प्रभावित इलाकों में पुलों के निर्माण, प्रभावित समुदायों की बुनियादी नागरिक जरूरतों को पूरा करने और भविष्य में आपदा के बाद राहत एवं पुनर्बहाली प्रयासों में मदद के लिए ड्रोन की तैनाती में सहयोग के वास्ते नेपाल को 3.1 करोड़ अमेरिकी डॉलर की सहायता देने की घोषणा की है। राजनीतिक मामलों की विदेश उप मंत्री एलिसन हूकर ने मंगलवार को न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के सत्र से इतर नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल से मुलाकात के बाद यह घोषणा की। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के एक बयान के अनुसार, हूकर ने नेपाल में आई विनाशकारी बाढ़ से प्रभावित सभी लोगों के प्रति अमेरिका की गहरी संवेदना व्यक्त की। इनमें करीब 70 अमेरिकी नागरिकों के परिवार भी शामिल हैं, जिनका अभी तक पता नहीं चल पाया है। बैठक के दौरान हूकर ने कहा कि अमेरिका कांग्रेस के साथ मिलकर एक करोड़ अमेरिकी डॉलर की सहायता उपलब्ध कराने की योजना बना रहा है। इसका इस्तेमाल स्थायी और जरूरत के अनुरूप तैयार किए गए पुलों के निर्माण के लिए किया जाएगा, जिन्हें अमेरिका एक अमेरिकी कंपनी से मंगवा रहा है। बयान में कहा गया है कि ये पुल प्रभावित क्षेत्रों में महत्वपूर्ण परिवहन बुनियादी ढांचे को बहाल करने और क्षेत्रीय संपर्क को मजबूत करने में मदद करेंगे। मंत्री ने प्रभावित समुदायों को पानी, स्वच्छता एवं साफ–सफाई के साथ–साथ आश्रय, संरक्षण, आजीविका और सर्दियों के लिए आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने के वास्ते 80 लाख अमेरिकी डॉलर की अतिरिक्त सहायता देने की योजना की भी घोषणा की। मंत्रालय ने भविष्य में आपदा के बाद राहत एवं पुनर्बहाली प्रयासों में बेहतर सहायता के लिए अमेरिका में निर्मित ड्रोन उपलब्ध कराने पर 1.3 करोड़ अमेरिकी डॉलर खर्च करने की भी योजना बनाई है। इस सहायता की घोषणा के साथ नेपाल में बाढ़ से निपटने और पुनर्बहाली के प्रयासों के लिए अमेरिका की कुल सहायता 3.6 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक हो गई है। बयान में कहा गया है कि अमेरिका नेपाल सरकार के साथ मिलकर काम करना जारी रखेगा ताकि जहां सबसे अधिक जरूरत हो, वहां अतिरिक्त सहायता की पहचान कर उसे उपलब्ध कराया जा सके। नेपाल में तिब्बत की सीमा के पास रसुवागढ़ी क्षेत्र में 26 अगस्त को आई विनाशकारी बाढ़ में कम से कम 1,451 लोगों की मौत हो गई और 6,000 से अधिक लोग लापता हैं।

युद्ध पर लंबी–चौड़ी फेंक रहे थे ट्रंप, यूएन में ईरान ने कर दिया बेइज्जत

एक तरफ ईरान और अमेरिका के बीच युद्ध जारी है। दोनों तरफ से जोरदार हमले हो रहे हैं तो दूसरी ओर जंग अब उस मोड़ पर दिखाई दे रही है जहां अगला कदम सिर्फ मैदान जंग नहीं बल्कि कूटनीति के मेज पर भी तय होगा। एक तरफ ईरान के खिलाफ अमेरिकी सैन्य दबाव और हमलों का सिलसिला जारी है। वहीं दूसरी तरफ संयुक्त राष्ट्र महासभा में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने तेहरान को लेकर एक बार फिर बेहद सख्त संदेश दिया है। ट्रंप ने कहा कि उनके सामने अब एक बड़ा फैसला है कि ईरान के साथ डील की जाए या फिर उसके खिलाफ कारवाई को और आगे बढ़ाया जाए।

ट्रंप के इसी भाषण के दौरान ईरानी प्रतिनिधि मंडल ने यूएनजीए हॉल से वॉकआउ कर दिया। ट्रंप ने अपने भाषण में ईरान को अमेरिका के लिए गंभीर खतरा बताया और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से तेहरान पर आर्थिक दबाव बनाए रखने की अपील की।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।